TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | दीपावली पर सुरक्षा का पहरा, सड़कों पर उतरे पुलिस अफसर!... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | शुक्रवार | दिनांक- 06.11.2026

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला: अब छह राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में होगा एसएसआर

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की घोषणा की। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र मतदाताओं, खासकर युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना है। आयोग के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम में यह अभियान चलाया जाएगा।

30 नवंबर को जारी होगी मसौदा मतदाता सूची

चुनाव आयोग के अनुसार, इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मसौदा मतदाता सूची 30 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। वहीं, अंतिम मतदाता सूची 21 जनवरी 2027 को जारी होगी। इस अभियान के तहत उन लोगों को भी पहले से आवेदन करने की सुविधा मिलेगी, जो 2027 में 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को मतदान के योग्य हो जाएंगे।

राज्यों को जरूरी संसाधन जुटाने के निर्देश

चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि वे इस प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों और जरूरी संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

'चुनाव में हारे तो बदल दिए नियम'

राहुल गांधी का जनादेश पलटने का आरोप, कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाएगी

एजेंसी, **नई दिल्ली।**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में गोकुल दूध सहकारी संघ के चुनाव को लेकर भाजपा पर जनादेश पलटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस समर्थित पैनल के भाजपा समर्थित महायुति गठबंधन को हराने के बाद नियमों में बदलाव किए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि चुनाव के बाद भाजपा ने निदेशक मंडल में बहुमत हासिल करने के लिए नियम बदल दिए। उन्होंने इसे दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी करार दिया।

राहुल ने लगाया जनादेश पलटने का आरोप

राहुल गांधी ने लिखा, 'गोकुल में दूध



उत्पादकों ने भाजपा को हरा दिया। इसलिए भाजपा ने चुनाव के बाद नियम बदल दिए। चार निदेशकों को शामिल करो, 12 को 16 में बदलो और बहुमत चुरा लो। यह दूध उत्पादकों के वोटों की चोरी और जनादेश में मिलावट है। भाजपा सत्ता बचाने के लिए इतनी बेचैन हो गई है कि हर जगह किसी भी हद तक जाने को तैयार है। दूध उत्पादकों के वोट चुराने वाले याद रखें कि किसान भूलते नहीं हैं।'

कांग्रेस ने कही सुप्रीम कोर्ट जाने की बात

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी प्रस्तावित बदलावों को लेकर महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दूध उत्पादकों के चुनावी जनादेश को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। खेड़ा ने बुधवार को एक्स पर लिखा, 'महाराष्ट्र सरकार, गोकुल मिल्क फेडरेशन में निर्वाचित निदेशक मंडल में बदलाव कर दूध उत्पादकों के लोकतांत्रिक जनादेश को खुलेआम पलटने की कोशिश कर रही है। 19 अक्तूबर को हुए चुनाव में कांग्रेस समर्थित पैनल ने 25 में से 13 सीटें जीतकर महायुति की 12 सीटों के मुकाबले बहुमत हासिल किया था।' उन्होंने आगे कहा कि महायुति समर्थित निदेशकों के बैठक में अनुपस्थित रहने के कारण अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका। इसके बाद बंबई हाई कोर्ट ने 10 नवंबर को नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया। खेड़ा ने कहा, 'निर्वाचित निदेशक मंडल को काम करने देने के बजाय राज्य मंत्रिमंडल ने मतदान के अधिकार वाले चार सरकारी निदेशकों को मनोनीत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे चुनाव का पूरा गणित बदल सकता है और दूध उत्पादकों के जनादेश को पलटा जा सकता है।' इस प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई सरकार सिर्फ इसलिए चुनाव के बाद नियम बदल सकती है, क्योंकि उसे नतीजे पसंद नहीं आए? हम लोकतांत्रिक जनादेश और सहकारी संस्थाओं की स्वायत्तता की रक्षा के लिए इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रहे हैं।'

क्या हैं आरोप?

ये आरोप उस चुनाव के बाद लगाए गए हैं, जिसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतेज पाटिल के नेतृत्व वाले कांग्रेस समर्थित राजर्षि शाहू शेतकरी समविचारी आघाड़ी ने कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (गोकुल डेयरी) के निदेशक मंडल के चुनाव में बहुमत हासिल किया था। इस चुनाव में कांग्रेस समर्थित पैनल ने 25 में से 13 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा समर्थित महायुति गठबंधन को 12 सीटें मिली थीं। महायुति में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। चुनाव के नतीजों की आधिकारिक घोषणा 19 अक्तूबर, 2026 को की गई थी। इसे राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए झटका माना गया।

'80 साल का हूं, क्या जेल में मारना चाहते हैं?'

एजेंसी, **नई दिल्ली।**



सुप्रीम कोर्ट में समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आजम खान की याचिका पर सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों और ईडी की कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठाए। आजम खान ने रामपुर जेल से रिहाई के बाद दो पैन कार्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी है।

इसके साथ ही उन्होंने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े धनशोधन मामले में एक नवंबर के न्यायिक हिरासत के आदेश को भी चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि ईसीआईआर के आधार पर अब 22 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि हाई कोर्ट ने बार-बार राहत दी है और इस तरह की राहत वहां आसानी से मांगी जा सकती है।

इस पर सिब्बल ने मामले का पुराना घटनाक्रम बताते हुए कहा कि साल 2006 की एक घटना को लेकर 2019 में 26 एफआईआर दर्ज की गई थीं। इनमें से ज्यादातर मामलों में जमानत मिल गई, लेकिन इसके बावजूद उन्हें 2022 से 2025 तक जेल में रहना पड़ा। सिब्बल ने दलील दी कि उन्हें जेल में रखने की मंशा से लगातार मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

आजम खान की तरफ से पैरवी करते हुए सिब्बल ने कहा, 'मेरे खिलाफ कुल 87 एफआईआर थीं और सभी में जमानत मिलने के बाद 88वां मामला दर्ज किया गया। मैं 80 साल का हूं... उन्होंने मेरे खिलाफ नए मामले इसलिए दर्ज किए हैं ताकि मेरी मौत जेल में ही हो जाए।' इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने जमानत दी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन नई शिकायतें दर्ज कीं। इनमें जन्म प्रमाणपत्र को गलत बताया गया और आरोप लगाया गया कि पैन कार्ड तथा पासपोर्ट गलत जानकारी के आधार पर बनवाए गए।

देश में अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस: गडकरी

एजेंसी, **नागपुर।**

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को नागपुर में भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' मार्च को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में लगातार हार से परेशान कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। गडकरी ने कहा कि जिस पार्टी ने कभी देश में आपातकाल लगाया और लोगों के मौलिक अधिकार छीने, वही आज लोकतंत्र बचाने की बात कर रही है। उनके मुताबिक, कांग्रेस अपनी राजनीतिक निराशा में लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है।

राहुल गांधी और खरगे को लेकर गडकरी ने क्या कहा?

गडकरी ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस चाहे कितनी भी ताकत लगा ले, लोगों को गुमराह करे या लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करे, देश की जनता उस पर भरोसा नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है, जनता कुछ समय बाद उसे सत्ता से बाहर



कर देती है। गडकरी ने मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस नेताओं की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ इस्तेमाल की जा रही भाषा पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव आयोग की छवि खराब करने और संसद की कार्यवाही बाधित करने में लगी है।

गडकरी ने 1975 के आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत लोगों को जेल में डाला गया और कई लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पाबंदियां लगाई गई थीं। उन्होंने दावा किया कि जनता पार्टी के गठन और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाने के संघर्ष में जनसंघ और भाजपा ने अहम भूमिका निभाई थी। गडकरी के मुताबिक, जनता पार्टी की सरकार ने बाद में आपातकाल के दौरान लागू किए गए अलोकतांत्रिक प्रावधानों को खत्म किया। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी धर्म, जाति या समुदाय के खिलाफ नहीं है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा मौलिक अधिकारों को भारतीय लोकतंत्र का जरूरी हिस्सा मानती है।'

कांग्रेस और विपक्ष पर क्या आरोप लगाए?

पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने भी भाजपा के इसी अभियान के तहत कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी हार के बाद विपक्षी दल जनता का फैसला स्वीकार करने के बजाय चुनाव आयोग, ईवीएम और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। सोनोवाल ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने पर भी कांग्रेस को घेरा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासनकाल में भी मतदाता सूची का दस बार पुनरीक्षण कराया गया था। उनके मुताबिक, एसआईआर का उद्देश्य वास्तविक भारतीय नागरिकों के नाम मतदाता सूची में रखना और अवैध प्रवासियों के नाम हटाना है।

सोनोवाल ने भी विपक्ष को घेरा

सबार्नंद सोनोवाल ने पश्चिम बंगाल की पिछली ममता बनर्जी सरकार पर अवैध घुसपैठ रोकने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार इस मुद्दे पर कार्रवाई और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ साहस और पेशेवर क्षमता का परिचय दिया, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी आलोचना में लगे रहे।

सोनोवाल ने दावा किया कि मोदी सरकार के 12 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने आयुष्मान भारत, आवास, बिजली, स्वच्छता, रसोई गैस, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण सड़कों से जुड़ी योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 2014 से 2025 के बीच 56 विधानसभा चुनावों में हार मिली। साथ ही उन्होंने पूर्वोत्तर में रेलवे, बिजली और करीब सात लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का जिक्र किया।

महुआ मोइत्रा का पलटवार: बोलीं- सीजेपी को विदेश से नहीं, भाजपा से मिला पैसा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कॉनकरोच जनता पार्टी को विदेशी संगठनों से फंडिंग मिलने के आरोपों पर भाजपा को घेरा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए उन्होंने दावा किया कि सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने खुद कहा है कि उन्हें विदेशी स्रोतों से नहीं, बल्कि भाजपा से चुनावी बॉन्ड के जरिये पैसा मिला है। मोइत्रा ने कहा कि सीजेपी के अशुतोष रांका और सौरव समेत अन्य सदस्यों ने भाजपा से फंड मिलने की बात कही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'भाजपा ही उन्हें फंड दे रही है।'

दरअसल, बुधवार को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कॉनकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि उसके कार्यकर्ताओं को देश और विदेश में मौजूद भारत विरोधी संगठनों से पैसा मिल रहा है। बंगलूरू में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि अभिजीत दिपके को अनधिकृत स्रोतों से फंडिंग मिलने के पर्याप्त सबूत हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दानदाताओं से अभिजीत दिपके को पैसा मिल रहा है, जबकि अशुतोष रांका को पाकिस्तानी नेताओं से फंडिंग मिली है।

उन्होंने विदेशी फंडिंग वाले एनजीओ, डीप स्टेट के लोगों और भारत विरोधी ताकतों पर इस पूरे मामले में नैरेटिव गढ़ने का आरोप लगाया। इस बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने कांग्रेस को विदेशी फंडिंग मिलने के भाजपा के आरोपों पर सवाल उठाए। उन्होंने इन दावों के सबूत पेश करने की चुनौती दी।

विकसित भारत 2047 पर मंथन

नीति आयोग के सदस्यों के साथ पीएम मोदी की बैठक

एजेंसी, **नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की नई टीम के साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक की है। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और ग्लोबल लेवल पर कई तरह की चुनौतियां सामने आ रही हैं। सरकार के इस शीर्ष थिंक टैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री का मुख्य मकसद यह जानना था कि आयोग के नए सदस्य इस समय किन-किन अहम मुद्दों और नीतियों पर जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

क्या खास प्लान पेश किया गया?

इस हाई-लेवल बैठक के दौरान नीति आयोग के सदस्यों ने प्रधानमंत्री के सामने एक डिटेल्ड प्रेजेंटेशन रखी। इसमें उन सभी खास नीतियों और सेक्टरों का जिक्र किया गया जिन पर आयोग इन दिनों तेजी से काम कर रहा है। अधिकारियों ने साफ किया कि यह पूरा एजेंडा सरकार के साल 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र यानी 'विकसित भारत' बनाने के विजन के बिल्कुल मुताबिक तैयार किया गया है, जिससे देश की



अर्थव्यवस्था को आने वाले दशकों में और ज्यादा मजबूत बनाया जा सके।

बैठक में किन बड़े चेहरों ने की शिरकत?

इस अहम बैठक में नीति आयोग की पूरी नई लीडरशिप ने खुलकर हिस्सा लिया और अपने-अपने विभागों का अपडेट साझा किया। इस बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक लाहिरी और सीईओ अनुराग जैन इस बैठक में प्रमुख रूप से शामिल हुए। आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों में राजीव गाउबा, आर. बालासुब्रमण्यम और जोरम अनिया ने अपनी बात रखी। इसके अलावा के.वी. राजू, एम. श्रीनिवास, गोबर्धन दास और अभय करंदिकर सहित कई अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी इस चर्चा का हिस्सा बने।

आज के वक्त में जब पूरी दुनिया आर्थिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है, तब भारत की आर्थिक नीतियों को बेहद सावधानी के साथ आगे बढ़ाने की जरूरत है। बैठक के दौरान इस बात पर विशेष रूप से मंथन किया गया कि कैसे देश के अंदरूनी विकास को गति दी जाए, रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएं और घरेलू उद्योगों को मजबूत किया जाए।

सरकार की मंशा साफ है कि बिना किसी भटकाव के देश की नीतियों को सीधे तौर पर जमीनी फायदों से जोड़ा जाए।

सुप्रीम कोर्ट: जंतर-मंतर हिंसा मामले में अदालत सख्त

पूर्व जज की कमेटी करेगी जांच; वीडियो और शिकायतें सौंपीं

एजेंसी, **नई दिल्ली।**

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की कथित ज्यादती की जांच कर रही सुप्रीम कोर्ट की उच्चाधिकार प्राप्त समिति को अब तक पीड़ितों की बहुत कम शिकायतें मिली हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी गई।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि शिकायतों और सबूतों की कमी के कारण समिति फिलहाल हिंसा को लेकर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि हिंसा से जुड़ी याचिकाएं, वीडियो और शिकायतें समिति को सौंपी जाएं। साथ ही समिति को समय-समय पर अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करने को कहा। समिति ने कोर्ट को बताया कि उसने 20 जुलाई को संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान हुई हिंसा के संबंध में शिकायतें मांगने के लिए 149 अखबारों में नोटिस प्रकाशित कराए थे।

इसके बावजूद उसे ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से बहुत कम शिकायतें मिलीं। इसके बाद 21 अक्तूबर को फिर से शिकायतें मांगी गईं। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल और कार्यालय का पता भी दोबारा जारी किया गया।

जांच समिति में कौन-कौन?

सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में इस मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी। इसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

क्या है पूरा मामला?

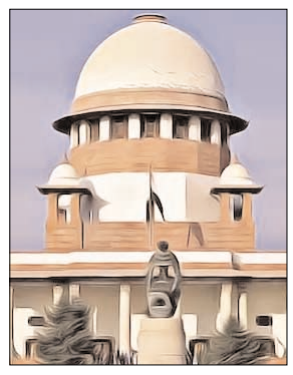
20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी। संसद की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। छात्रों के नेतृत्व में शुरू हुआ यह आंदोलन कई शहरों तक फैल गया था। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: पुलिस अब मनमाने समय तक नहीं रख सकेगी हिरासत में

एजेंसी, **नई दिल्ली।**

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी और पुलिस हिरासत को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए निर्धारित 24 घंटे की समयसीमा उसकी औपचारिक गिरफ्तारी से नहीं, बल्कि वास्तविक हिरासत में लिए जाने के समय से शुरू होगी। यानी पुलिस किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के बाद औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज करने में देरी करके 24 घंटे की समयसीमा को आगे नहीं बढ़ा सकती। इस फैसले के साथ अदालत ने त्रिपुरा हाईकोर्ट का आदेश रद्द करते हुए चार आरोपियों को जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है।

यह फैसला एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में आया है।



चार लोगों ने त्रिपुरा हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(2) के तहत निर्धारित 24 घंटे की अवधि की गणना उस समय से की जानी चाहिए, जब किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता वास्तव में छीन ली जाती है।

24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य

संविधान के अनुच्छेद 22(2) के अनुसार, गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए प्रत्येक व्यक्ति को नजदीकी मजिस्ट्रेट के सामने 24 घंटे के भीतर पेश करना जरूरी है। इस अवधि में गिरफ्तारी के स्थान से अदालत तक पहुंचने के लिए आवश्यक यात्रा समय को शामिल नहीं किया जाता। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति को निर्धारित अवधि से अधिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि वास्तविक हिरासत शुरू होने के 24 घंटे के भीतर आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया जाता है, तो उसे तत्काल रिहा करना होगा।

अदालत ने यह भी कहा कि यात्रा के जरूरी समय के अलावा किसी दूसरी अवधि को 24 घंटे की गणना से बाहर नहीं रखा जा सकता।

सिर्फ 24 घंटे का नियम पूरा करना काफी नहीं, हिरासत भी हो उचित

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि केवल 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर देना ही पर्याप्त नहीं है। पुलिस को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी व्यक्ति को परिस्थितियों के अनुसार उचित समय तक ही हिरासत में रखा जाए। इसके लिए अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर) की धारा 58 का उल्लेख किया। इस धारा के अनुसार, बिना वारंट गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस अधिकारी परिस्थितियों के हिसाब से उचित अवधि से अधिक समय तक हिरासत में नहीं रख सकता। मजिस्ट्रेट के विशेष आदेश के अभाव में यह अवधि यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे से अधिक नहीं हो सकती।

मजिस्ट्रेट को दर्ज करना होगा हिरासत का वास्तविक समय

सुप्रीम कोर्ट ने मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी स्पष्ट की है। अदालत ने कहा कि जब किसी आरोपी को पेश किया जाएगा, तब मजिस्ट्रेट को यह दर्ज करना होगा कि उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता वास्तव में किस तारीख और समय से सीमित की गई थी। इसके बाद मजिस्ट्रेट को स्वतंत्र रूप से जांच करनी होगी कि आरोपी को पेश करने में 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा का पालन हुआ है या नहीं। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट को यह भी देखना होगा कि आरोपी को 24 घंटे के भीतर पेश करने के बावजूद कहीं उसे परिस्थितियों के हिसाब से जरूरत से ज्यादा समय तक तो हिरासत में नहीं रखा गया। यदि मजिस्ट्रेट को लगता है कि हिरासत की अवधि अनुचित रूप से लंबी रही है, तो वह आगे रिमांड देने से इनकार कर सकता है।

अदालत के मुताबिक, पुलिस की ओर से गिरफ्तारी दर्ज करने का समय इस गणना का आधार नहीं हो सकता। यदि किसी व्यक्ति को पहले से हिरासत में रखा गया है, तो उस अवधि को भी 24 घंटे की संवैधानिक समयसीमा में शामिल करना होगा। पीठ ने कहा कि तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया पूरी होने के बाद औपचारिक गिरफ्तारी दर्ज किए जाने के समय से 24 घंटे की गणना शुरू करना कानूनन उचित नहीं है। अदालत ने इस तरीके को असंवैधानिक करार दिया।

घर में चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भांडाफोड़

दो पुरुषों समेत महिला गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- परिवार को घर में बंद कर खिड़की तोड़कर घुसे थे चोर
- सोने-चांदी के आभूषण और सिक्के किए थे पार
- एक आरोपी का भाई फरार

थाना कमला नगर क्षेत्र में घर में घुसकर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के दो पुरुष सदस्यों और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण और सिक्के बरामद किए गए हैं। डीसीपी सिटी आईपीएस रविंद्र कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्रवाई की जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, 1 और 2 नवंबर की दरमियानी रात कमला नगर में एक घर में चोरी हुई थी। उस समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। सुबह उठने पर शिकायतकर्ता के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद मिला। पिता की मदद से दरवाजा खुलवाने के बाद दूसरे कमरे में रखी अलमारी खुली मिली। उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और चांदी के सिक्के गायब थे। शिकायत के आधार पर थाना कमला नगर में मुकदमा अपराध संख्या 256/2026, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए थाना कमला नगर, सर्विलांस सेल और एसओजी नगर जोन की संयुक्त टीमें गठित की गईं। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस के मुताबिक, 5 नवंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वीरू उर्फ शंकर और सुनील को गुटिला पुल, कृष्णा मेट्रो सिटी के पास से गिरफ्तार किया गया। दोनों की निशानदेही पर वीरू की पत्नी को सदर बाजार थाना क्षेत्र के मिंटो रोड स्थित उसकी दुकान से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पीली धातु की चार चूड़ियां, दो चेन, एक पेंडल लगी चेन, एक अर्धचंद्राकार हार, दो अंगूठियां, नग जड़ी दो अंगूठियां, फोटो लगी एक अंगूठी, सफेद धातु के दो सिक्के और सफेद-पीली धातु की एक अंगूठी बरामद की है। इसके अलावा एक बैग, तीन परफ्यूम की शीशियां और क्रीम की एक शीशी भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में वीरू और सुनील ने बताया कि उन्होंने 1/2 नवंबर की रात शराब की दुकान के पास स्थित एक घर की खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। इसके बाद अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे आभूषण चोरी कर लिए। वीरू ने अपने भाई विक्रम के भी वारदात में शामिल होने की बात बताई। पुलिस के मुताबिक, वीरू की पत्नी चोरी का सामान छिपाने में मदद करती थी। विक्रम अभी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार वीरू उर्फ शंकर मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित जल विहार, फूलबाग क्षेत्र का निवासी है, जबकि सुनील का वर्तमान पता आगरा के एत्माद्दौला थाना क्षेत्र के मारवाड़ी इंद्र नगर का है। पुलिस ने वीरू के खिलाफ देहरादून और हरिद्वार के विभिन्न थानों में चोरी से जुड़े चार अन्य मुकदमों का भी उल्लेख किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली पर पुलिस का तगड़ा पहरा, टप्पेबाजों पर रहेगी नजर!

सुरक्षा का खाका तैयार, अधिक नकदी ले जाने वाले व्यापारियों को मिलेगी पुलिस सहायता।

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



दीपावली के त्यौहार को लेकर थाना फतेहाबाद में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। पटाखे , जाम व गश्त को लेकर चर्चा हुई टप्पेबाजों से सावधान रहने की सलाह दी गई।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में थाना फतेहाबाद में गुरुवार को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई जिसमें कस्बे के गणमान्य लोग सहित ग्राम प्रधान व अन्य समाजसेवी भी उपस्थित हुए। जहां प्रभारी निरीक्षक ने दीपावली के त्योहार को लेकर कस्बा फतेहाबाद में वन वे लागू कर दिया गया है कोई भी चार पहिया वाहन कस्बे के मुख्य बाजार से नहीं गुजरेगा तथा जिनके द्वारा अनाधिकृत रूप से दुकानों के सामने वाहन खड़े किए गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी वहीं दो पहिया वाहन बिना नंबर के होने पर उनको सीज किया जाएगा वहीं उन्होंने टप्पेबाजों से विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जो व्यापारी अधिक धन लेकर आवागमन करेंगे उनको पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाएगी वहीं त्यौहार को लेकर सभी चौराहों पर पुलिस की विशेष पिकेट लगाई गई है जाम को लेकर भी विशेष व्यवस्था रहेगी सराफा बाजार व कसेरट बाजार में विशेष रूप से सादा ड्रेस में पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे वहीं उन्होंने आगे कहा कि पटाखे को लेकर सावधानी बरतें जिससे कोई अप्रिय घटना ना हो बैठक में बिज्जी शर्मा, लल्लूराम गुर्जर ,बंटी प्रधान, अंगद सिंह वर्मा ,अंकित गुप्ता ,आलोक बछरवार सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे।

रमा एकादशी पर सतरंगी फूलों से सजा खाटू श्याम बाबा का दरबार



- अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर भावविभोर हुए श्रद्धालु, भजनों और जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रमा एकादशी के पावन अवसर पर ताजगंज के कटरा जोगीदास स्थित श्री दाऊजी खाटूश्याम मंदिर में श्याम बाबा का सतरंगी फूलों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाबा के दरबार की छटा देखते ही बन रही थी। बाबा के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

मंदिर के अध्यक्ष राजू गोयल और राजेश गुप्ता ने कहा कि खाटू श्याम बाबा के दरबार में सच्चे मन से शीश झुकाने वाले भक्त को विशेष आत्मिक शांति मिलती है। जो व्यक्ति खाटू वाले के दर पर शीश झुकाता है, उसे कहीं और शीश झुकाने की आवश्यकता नहीं पड़ती।एकादशी के अवसर पर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बाबा के मनमोहक श्रृंगार के दर्शन करने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बाबा के दर्शन कर भक्तों ने शीश नवाया और स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। भजनों की मधुर धुनों और ह्यजय श्री श्यामह्ल के जयकारों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन हो गए। इस अवसर पर संरक्षक कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिव मयंक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष परिवेश अग्रवाल, प्रदीप राठौड़, प्रवीन अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, सुरेश मंगल, संध्या, उर्मिला, विजय, नम्रता, शालिनी, नंदनी, रुचिका, जूही आदि मौजूद रहे।

सोते वक्त घर में घुसा दरिंदा, महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार!

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने सोते समय घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गुरुवार को आगरा से गिरफ्तार कर जेल भेजा।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि 30 अक्टूबर को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि घर में सोते समय सैयद अख्तर पुत्र इस्लाम अली निवासी गढ़वार थाना जैतपुर ने छेड़छाड़ तथा दुष्कर्म किया था। विरोध करने पर मारपीट की गई थी इस संबंध में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं गुरुवार को पुलिस ने आगरा के शाहगंज क्षेत्र से आरोपी सैयद अख्तर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ब्लॉक कार्यालय पर लटका ताला, अफसर गायब!

मिलने का समय 10 से 12 बजे, फिर भी नदारद मिले BDO

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।



- कई कमरों में ताले, खाली पड़ी मिलीं अधिकारियों की कुर्सियां
- विधवा और वृद्धावस्था पेंशन के लिए भटक रहे जरूरतमंद
- इऊ ब्रोले- दोनों ब्लॉक के अधिकारी फतेहाबाद में ऑनलाइन मीटिंग में थे

जहां एक ओर सरकार भी सरकारी कार्यालयों को समय से खोलने और लोगों की समस्यायों का समय से समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं पिनाहट विकास खंड कार्यालय मनमर्जी से खुलता है। यहां जरूरतमंद लोगों को भटकना पड़ रहा है। किन्तु इनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

विकास खंड पिनाहट कार्यालय पर गुरुवार दोपहर दस बजकर 45 मिनट कुछ कमरों मे ताले लगे मिलें । तो जिन कमरों के ताले खुले थे।?जिनमे कोई अधिकार या कर्मचारी मौजूद नहीं था। हद तो तब हो गयी।?जब खंड विकास अधिकारी कार्यालय में खाली कुर्सियां पड़ी दिखाई दी। महोदय समय होने के बाद भी नदारद थे। जबकि उनके कार्यालय के बाहर दीवार पर लगे बोर्ड पर लिखा था। कि मिलने का समय 10 से 12 बजे तक और मिलने के दिन मंगलवार, गुरुवार , शनिवार है। किन्तु महोदय लिखित समय के बाद भी जब कार्यालय नहीं पहुंचे। तो कार्यालय के अन्य कर्मचारी भी नदारद दिखाई दिये। नतीजन विधवा, वृध्दा पेंशन के लिए आए लोग बुजुर्ग महिलाएं कार्यालय के बाहर भटक रहे थे। थाना पिनाहट के गांव झोरियन निवासी बुजुर्ग महिला सावित्री देवी ने बताया कि वह तीन महीने से विधवा और वृद्धा पेंशन के लिए भटक रही है। ज्यादातर अधिकारी मिलते नहीं है। अगर मिल भी जाए तो कल की कहकर टरका देते हैं। ऐसे तमाम लोग कार्यालय के बाहर भटकते मिले। जिनका कहना था। कि खंड विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारी यहां समय से नहीं आते हैं। इस कारण महीनों से छोटे-छोटे कामों के लिए भटक रहे है। फिर भी कोई काम नहीं हो रहा है। खंड विकास अधिकारी पिनाहट अरुन सिंह ने बताया कि मेरे पास फतेहाबाद और पिनाहट दो जगहों का चार्ज है। आज मेरा पिनाहट में बैठने का टर्म था। लेकिन मैंने आज दोनों ब्लाक के अधिकारियों को फतेहाबाद ही बुला लिया था। यहां हम सभी जिलाधिकारी की मीटिंग मे ओनलाइन जुड़े थे। मेरी अनुपस्थिति में एक एडीओ कार्य देखते हैं। कोई फरियाद वापस नहीं जाता है।

बाजरे की पूलियों के नीचे छिपी थी 30 लाख की शराब, ट्रैक्टर-ट्रॉली से तस्करी का भंडाफोड़!

एक गिरफ्तार; राजस्थान में सरपंच चुनाव के दौरान खपाने की थी तैयारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- बाजरे की पूलियों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही थी शराब की खेप
- 201 पेटियों में मिले 9648 पव्वे, कीमत करीब 30 लाख रुपये
- शराब की पेटियों पर लिखा था 'फॉर सेल यूटी चंडीगढ़'

थाना मलपुरा क्षेत्र में बाजरे की सूखी पूलियों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पुलिस ने बरामद की है। ट्रैक्टर-ट्रॉली से 201 पेटी शराब के 9648 पव्वे मिले हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी वांछित हैं। पुलिस लाइन, आगरा में आयोजित प्रेसवार्ता में डीसीपी पश्चिम आदित्य ने कार्रवाई की जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, 4 नवंबर को थाना मलपुरा पुलिस क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बरारा गांव क्षेत्र से बाजरे की सूखी पूलियों से ढकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने आबकारी विभाग की टीम को मौके पर बुलाया और घेराबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉली की तलाशी ली। नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर से जुड़ी पीले रंग की ट्रॉली में बाजरे की पूलियों के नीचे शराब की पेटियां छिपी मिलीं।

पुलिस ने ट्रॉली से ब्लू स्ट्रोक एक्सक्विजिट ब्रांड की अंग्रेजी शराब की 201 पेटियां बरामद कीं। इनमें कुल 9648 पव्वे थे। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई गई है। पेटियों पर ह्यफॉर सेल यूटी चंडीगढ़ह्ल अंकित था, जिससे शराब की बिक्री के लिए निर्धारित क्षेत्र का संकेत मिलता है।

मौके से गिरफ्तार आरोपी प्रेम सिंह पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी गांव बरारा, थाना मलपुरा ने पूछताछ में बताया कि राजस्थान में सरपंच पद के चुनाव के चलते शराब की मांग बढ़ी हुई है। इसी वजह से वह शराब की खेप वहां सप्लाई करने के लिए ले जा रहा था। पुलिस का दावा है कि आरोपी आगामी विधानसभा और ग्राम पंचायत चुनावों के दौरान भी शराब का स्टॉक जुटाकर अधिक कीमत पर बेचने की तैयारी में था।मामले में वांछित दो अन्य आरोपियों वेदप्रकाश पुत्र प्रेम सिंह निवासी गांव बरारा और आशीष पुत्र पप्पू निवासी सरेंधी, थाना जगनेर की तलाश की जा रही है। थाना मलपुरा में आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं 60(1), 63 और 72 तथा बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

केबल ऑपरेटरों के लिए ब्याज माफी योजना-2026

बकाया जमा करने पर बनी सहमति, मूलधन चुकाने पर 100% तक मिलेगी राहत

टीएनएफ टुडे, आगरा।



जिलाधिकारी मनीष बंसल के दिशा-निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में स्थानीय केबल ऑपरेटरों एवं मल्टी सिस्टम ऑपरेटरों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (मनोरंजन कर) विशाल सिंह ने सीटीवी नेटवर्क, डीजी, डेन तथा अन्य लोकल केबल ऑपरेटरों के साथ सीधा संवाद कर शासन द्वारा लागू की गई 'ब्याज माफी योजना-2026' के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

31 दिसंबर 2025 तक के बकायों पर मिलेगी छूटः

बैठक के दौरान ऑपरेटरों को उत्तर प्रदेश आमोद एवं पणकर अधिनियम-1979 के तहत 31 दिसंबर 2025 तक सृजित बकायों पर ब्याज और अर्थदंड (पेनल्टी) माफी से जुड़ी शर्तों से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह योजना शासनादेश जारी होने की तिथि 16 अक्टूबर 2026 से केवल तीन माह की सीमित अवधि के लिए प्रभावी है, इसलिए सभी बकायेदार ऑपरेटरों को समय रहते इसका लाभ उठाना होगा। योजना के राहतकारी प्रावधानों को समझने के बाद उपस्थित कई केबल ऑपरेटरों ने अपने पुराने बकाया मनोरंजन कर को शीघ्र जमा करने पर अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त की।

स्लैबवार तय की गई छूट की दरेंः

बैठक में योजना के अंतर्गत निर्धारित स्लैबवार छूट की शर्तों को विस्तार से समझाया गयाः

10 लाख रुपये तक के बकाये परः पूरा मूलधन जमा करने पर ब्याज और अर्थदंड दोनों में 100% की पूर्ण माफी दी जाएगी।

10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक के बकाये परः मूलधन जमा करने पर 90% ब्याज माफ होगा (केवल 10% ब्याज देय होगा) तथा अर्थदंड 100% माफ रहेगा।

1 करोड़ से 5 करोड़ रुपये तक के बकाये परः मूलधन चुकाने पर 75% ब्याज माफी (25% देय) और 100% अर्थदंड माफी का लाभ मिलेगा।

5 करोड़ रुपये से अधिक के बकाये परः मूलधन जमा करने पर 50% ब्याज माफ किया जाएगा (50% देय) तथा 100% अर्थदंड समाप्त रहेगा।

ऑनलाइन आवेदन की सुविधा और विभागीय सहायताः

सभी केबल ऑपरेटरों व एमएसओ को सूचित किया गया कि वे योजना का लाभ उठाने हेतु वाणिज्य कर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट [३३स्नः/ूङ्केश्र७.४स्न.ल्ल्रू.ल्ल] (३३स्नः/ूङ्केश्र७.४स्न.ल्ल्रू.ल्ल) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) ने आश्वस्त किया कि यदि किसी ऑपरेटर को आवेदन करने या नियमों को समझने में कोई कठिनाई आती है, तो वे किसी भी कार्यदिवस में कलेक्ट्रेट स्थित सहायक मनोरंजन कर आयुक्त के कार्यालय से संपर्क कर त्वरित समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

रावण वध के साथ हुआ अधर्म का अंत, श्रीराम के भव्य राजतिलक से सजी अयोध्या

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- बुराई पर अच्छाई की विजय का साक्षी बना रामलीला परिसर, रावण दहन पर गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, दिव्य राज्याभिषेक और भव्य आतिशबाजी ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित भव्य रामलीला महोत्सव में गुरुवार शाम अधर्म के प्रतीक रावण का अंत और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भव्य राज्याभिषेक श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक प्रसंग का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी रामलीला परिसर पहुंचे। मंचन के दौरान भगवान श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध का जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया गया। दोनों ओर से चले अस्त्र-शस्त्र और युद्ध की रोमांचक प्रस्तुति ने दर्शकों को त्रेतायुग की याद दिला दी। अंततः भगवान श्रीराम के हाथों रावण वध के साथ ही अधर्म, अहंकार और अन्याय का अंत हुआ। रावण के पुतले के दहन के दौरान पूरा रामलीला परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

भव्य आतिशबाजी ने आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए। इसके पश्चात अयोध्या में भगवान श्रीराम की वापसी और उनके भव्य राज्याभिषेक का दिव्य मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम के राजतिलक का मनोहारी दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पूरा परिसर भक्ति, उत्सव और उल्लास के वातावरण से सराबोर नजर आया। रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित इस भव्य मंचन ने श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य, मयार्दा और आदर्श शासन का संदेश दिया। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष श्री गिर्राज प्रसाद पाठक सहित लक्ष्मीकांत उपाध्याय, देवेंद्र गुप्ता, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, डॉ. नौनीहाल कुशवाह, उमेश दीक्षित, हरिविलास यादव, ओमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह, योगेश यादव, चौधरी दिनेश सिंह, पंडित सोनू शर्मा एवं पुष्पेन्द्र सिंह सिकरवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचन श्री बाल हनुमान आदर्श रामलीला मंडल के संचालक पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज के निर्देशन में मंडली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मिलिंद बुद्ध विहार का ताला तोड़कर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा चोरी

- दीवार फांदकर प्रतिमा गृह का ताला तोड़ा, टेढ़ी बगिया चौकी से महज 250 मीटर दूर हुई वारदात, भीम आर्मी और बसपा कार्यकर्ताओं ने दो घंटे किया प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, यमुनापार।



एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि मामले में तहरीर मिल गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में हाथरस मार्ग स्थित मिलिंद बुद्ध विहार से चोर भगवान गौतम बुद्ध की करीब 25 किलो वजनी पीतल की प्रतिमा चोरी कर ले गए। चोरों ने दीवार फांदकर प्रतिमा गृह का ताला तोड़ा और वारदात को अंजाम दिया। घटनास्थल टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी से करीब 250 मीटर की दूरी पर है। घटना की जानकारी मिलते ही भीम आर्मी और बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए करीब दो घंटे तक प्रदर्शन और नारेबाजी की। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया।

हाथरस मार्ग स्थित मिलिंद बुद्ध विहार करीब 40 वर्ष पुराना है। इसकी देखरेख भंते प्रज्ञा रतन जी करते हैं। भंते पुरन मल ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे उन्होंने बुद्ध वंदना की थी। इसके बाद मुख्य द्वार पर ताला लगाकर चले गए। बृहस्पतिवार सुबह जब वह बुद्ध विहार पहुंचे तो मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था, लेकिन अंदर प्रतिमा गृह का ताला टूटा मिला। वहां से भगवान गौतम बुद्ध की पीतल की प्रतिमा गायब थी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलने पर भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश कुमार सम्राट और केवल सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। बहुजन समाज पार्टी के पार्षद डॉ. यशपाल सिंह और पूर्व पार्षद होरीलाल बघेल भी समर्थकों के साथ पहुंचे। कार्यकताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चोरी की घटना पर नाराजगी जताई।

भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश कुमार सम्राट ने आरोप लगाया कि टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर बुद्ध विहार स्थित है। इसके बावजूद चोर प्रतिमा चोरी कर ले गए। पुलिस आगामी त्योहारों को देखते हुए भी रात में नियमित गश्त नहीं कर रही है। यदि पुलिस की गश्त प्रभावी होती तो इस तरह की घटना नहीं होती।

प्रदर्शनकारियों ने 48 घंटे में प्रतिमा बरामद कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

इस दौरान पूर्व नेता पार्षद दल डॉ. कर्मवीर भारती, केवल सिंह, हिमांशु विलियन, आशुतोष, डॉ. अजय कुमार, रितिक, हर्ष, आकाश सागर, सतीश संगम और सुनील कुमार उर्फ गोविंदा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

विवि में पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर का शुभारंभ

कुलपति प्रो. आशु रानी ने दिखाई हरी झंडी, 150 स्वयंसेवकों ने लिया हिस्सा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार, 05 नवंबर 2026 को विश्वविद्यालय स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस (फीस्त्रथ्ढू ऊंट) परेड चयन शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए रूपरेखा प्रस्तुत की।



सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और परेड का हुआ निरीक्षणः

उद्घाटन सत्र के पश्चात कुलपति प्रो. आशु रानी ने उपस्थित सभी स्वयंसेवकों को स्वच्छता पखवाड़ा, विकसित भारत, नशा मुक्ति और टीबी मुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प दिलाया। इसके उपरांत चयन प्रक्रिया के तहत दो विशेष टीमों का गठन किया गया, जिनमें एक टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का तथा दूसरी टीम ने परेड का अनुशासन का प्रदर्शन किया।

- राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित शिविर में सांस्कृतिक और परेड प्रदर्शन के आधार पर हो रहा चयन
- स्वच्छता पखवाड़ा, विकसित भारत, नशा मुक्ति और टीबी मुक्त भारत का संकल्प

विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थितिः

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएसडब्ल्यू प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा और प्रो. रामवीर सिंह चौहान उपस्थित रहे। मुख्य निर्णायक की भूमिका लखनऊ क्षेत्रीय निदेशालय के युवा अधिकारी राजेश तिवारी ने बारीकी से निरीक्षण किया। इस प्रतिष्ठित चयन शिविर में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय से संबद्ध 40 महाविद्यालयों तथा दयालबाग शिक्षण संस्थानों के चयनित लगभग 150 छात्र-छात्राओं और 40 कार्यक्रम अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक अपनी कला और निभाई। इसके अलावा सेंट जॉन्स कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एस.पी. सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

चयन प्रक्रिया का संचालन डॉ. शुभी पटेल द्वारा किया गया, जबकि अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रविशंकर सिंह ने ज्ञापित किया। आयोजन को सफल बनाने में शिवकुमार मिश्रा, युवा पेशेवर रोशन सिंह माहौर, लक्ष्य राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार विजेता (2021-22) सहित कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आनंद प्रताप सिंह, डॉ. आलोक कुमार सिंह, डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. शालिनी, डॉ. गरिमा, डॉ. व्यंकटेश, डॉ. तरुण कान्त पाठक, डॉ. हेमलता, रवि सिंह तथा वरिष्ठ स्वयंसेवक कुरुबान, शिवम सारस्वत, मोहम्मद कादिर, अक्षय, मुस्तकीम, उत्कर्ष, अंजलि और लक्ष्मी का विशेष योगदान रहा।

वोटर लिस्ट की खामियों पर चलेगा सुधार अभियान, इछड को सख्त निर्देश!



टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- नए मतदाताओं के जुड़ेंगे नाम, अपात्रों के हटेंगे
- फॉर्म 6, 7 और 8 के इस्तेमाल पर दिया प्रशिक्षण
- मतदाता सूची में गड़बड़ी रोकने के लिए विशेष सतर्कता के निर्देश

विधानसभा क्षेत्र-93 फतेहाबाद के बूथ स्तरीय अधिकारियों को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में गुरुवार को तहसील सभागार में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण नायब तहसीलदार सुभ्रा अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान प्रपत्र छह, सात एवं आठ के प्रयोग, मतदाताओं से संपर्क करने के लिए निर्धारित संपर्क प्रणाली तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नायब तहसीलदार ने बूथ स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें। मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम शामिल करने, अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने तथा आवश्यक संशोधन करने में विशेष सावधानी बरतें, जिससे मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।

आगरा में संगठन की मजबूत जिम्मेदारी संभालने वाले नितिन माहेश्वरी को मिली पंजाब की कमान, बने प्रदेश विस्तारक प्रमुख

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर एवं विभाग संगठन मंत्री के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभा चुके नितिन माहेश्वरी को भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब प्रदेश का विस्तारक प्रमुख नियुक्त किया है। आगरा में संगठन विस्तार और कार्यकर्ता निर्माण से लेकर राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की जिम्मेदारी निभाने के बाद अब वे पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर नियुक्त होने वाले विस्तारकों के प्रदेश स्तर पर समन्वय एवं मार्गदर्शन का कार्य करेंगे।

पंजाब में विधानसभा विस्तारकों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय महामंत्री एवं पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया, राष्ट्रीय संगठक बी. सतीश, सह प्रभारी बीरेंद्र सचदेवा तथा प्रदेश अध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों की उपस्थिति में प्रदेश महामंत्री संगठन श्रीनिवासलु ने उनकी नियुक्ति की घोषणा की। इसके बाद वर्ष 2020 से 2022 तक उन्होंने आगरा विभाग संगठन मंत्री के रूप में कार्य किया। इस दौरान विभाग के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन विस्तार, छात्र गतिविधियों और कार्यकर्ता निर्माण के कार्यों को आगे बढ़ाया। महानगर से विभाग स्तर तक आगरा में निभाई गई जिम्मेदारियों ने उनके संगठनात्मक अनुभव को व्यापक बनाया।

पीलीभीत से पंजाब तक निभाईं संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ

अलीगढ़ जिले के ग्राम नाह निवासी नितिन माहेश्वरी की संगठनात्मक यात्रा वर्ष 2013 में धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़ से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से शुरू हुई। वर्ष 2016 में पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनने के बाद उन्होंने पीलीभीत जिला संगठन मंत्री एवं बरेली जिला संपर्क प्रमुख के रूप में कार्य किया। आगरा के बाद वर्ष 2022 से 2024 तक बरेली एवं बदायूँ विभाग संगठन मंत्री रहे।



- आगरा महानगर एवं विभाग संगठन मंत्री के रूप में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका, 65वें राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन में भी रहे सहभागी; अब पंजाब की 117 विधानसभा सीटों पर विस्तारकों का करेंगे नेतृत्व।

आगरा बना संगठनात्मक जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव

नितिन माहेश्वरी ने वर्ष 2019झ्र20 में आगरा महानगर संगठन मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान उन्होंने महानगर में संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने, छात्र संपर्क, कार्यकर्ता निर्माण और संगठन की इकाइयों को सक्रिय करने के लिए कार्य किया। आगरा में उनके कार्यकाल का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 65वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन रहा। आगरा में आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। देशभर से आए प्रतिनिधियों और कार्यकताओं से जुड़े इस बड़े आयोजन का अनुभव उनके संगठनात्मक जीवन का अहम हिस्सा रहा।

वर्ष 2024 में केंद्रीय योजना के अंतर्गत उन्हें पंजाब भेजा गया, जहाँ उन्होंने गुरु नगरी अमृतसर एवं फिरोजपुर दो विभागों के संगठन मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाई। वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे। उन्होंने मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एम.सी.ए.) की शिक्षा प्राप्त की है।

अब पंजाब की 117 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी

अइश्ढ में एक दशक से अधिक समय तक संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभाने के बाद अब नितिन माहेश्वरी को भारतीय जनता पार्टी में पंजाब प्रदेश विस्तारक प्रमुख का दायित्व सौंपा गया है। इस भूमिका में वे पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर नियुक्त होने वाले विस्तारकों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। विस्तारकों के मार्गदर्शन, संगठनात्मक कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन और प्रदेश स्तर पर निर्धारित गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दीपावली पर सुरक्षा का पहरा, सड़कों पर उतरे पुलिस अफसर!

ज्वैलर्स को उउळश और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश।

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

दीपावली को लेकर पूर्वी जोन में पुलिस अधिकारियों ने सड़कों पर उतरकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीसीपी पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल ने थाना डौकी तथा एसीपी इमरान अहमद ने थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में पुलिस के साथ पैदल गश्त की।

गुरुवार को ?डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने थाना डौकी क्षेत्र के कस्बा कुंडोल में पुलिस के साथ पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने कस्बे के चामुंडा ज्वैलर्स, लकी ज्वैलर्स, आदित्य ज्वैलर्स, मानवी ज्वैलर्स तथा सुमन ज्वैलर्स के संचालकों से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से संचालित करने और अधिक कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या डायल 112 को देने के लिए प्रेरित किया। उधर, थाना बमरौली कटारा क्षेत्र में एसीपी इमरान अहमद ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी।



- कुंडोल के सराफा बाजार में दुकानदारों से सीधा संवाद
- संदिग्धों पर नजर, बिना नंबर प्लेट वाहनों पर चलेगा अभियान
- लूट और छिनैती रोकने के लिए बाजारों में बढ़ेगी चेकिंग

डीसीपी ने पुलिस को निर्देश दिए कि बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में चेकिंग की जाए। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर चालान और सीज की कार्रवाई की जाए, ताकि छिनैती व लूट की वारदातों पर अंकुश लगाया जा सके। गश्त के दौरान थानाध्यक्ष डौकी सुनीत शर्मा, थानाध्यक्ष बमरौली कटारा दीपक तिवारी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह, दीपिका भाटी सहित आदि मौजूद रहे।

आईटीएचएम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली उत्सव

विद्यार्थियों ने रंगोली एवं दीप सज्जा से बिखेरी रचनात्मकता की छटां

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट (आईटीएचएम), संस्कृति भवन में दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में दीपावली उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक एवं रंग-बिरंगी रंगोलियाँ बनाई गईं। इसके साथ ही मोमबत्ती एवं दीप सज्जा की गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। रंगों, फूलों और सजे हुए दीपों से संस्थान का वातावरण दीपावली के उल्लास से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विधि-विधान से भगवान श्री गणेश एवं माता लक्ष्मी का पूजन किया गया। सभी ने सुख, समृद्धि एवं संस्थान की निरंतर प्रगति की कामना की। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं त्योहारों के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. यू. एन. शुक्ला एवं प्रो. लवकुश मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों की सराहना करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं।



यह दीपोत्सव संस्थान की शिक्षिका विभा माथुर ,डॉ अंजली कुमारी ,साक्षी तिवारी की देख रेख में आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने विभिन्न विद्यार्थियों को पारंपरिक परिधानों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया ।अन्य शिक्षकों में अमित कुमार साहू, रंजीत कुमार एवं अंबर दुबे ने कार्यक्रम के आयोजन में अपनी भूमिका निभाई। वहीं कर्मचारीगण कुलदीप यादव, पवन, अल्बीना लाल, रजनी एवं कुलदीप दीक्षित ने भी आयोजन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

दीपावली उत्सव ने संस्थान में सांस्कृतिक एकता, आपसी सौहार्द एवं सामूहिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित किया। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल, गृह विज्ञान संस्थान में लगा बापू बाजार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आशु रानी के निर्देशन में एवं ठऋछ परिजात के सहयोग से गृह विज्ञान संस्थान में बापू बाजार का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उपयोग योग्य वस्त्रों एवं अन्य सामग्रियों के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करना, संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सतत विकास की अवधारणा को जनसामान्य तक पहुंचाना था।

साथ ही हांडीक्राफ्ट के आइटम भी छात्रों द्वारा निर्मित इसलिए बाजार में उचित मूल्यों पर मिले और फूड एंड नुट्रिशन डिपार्टमेंट की छात्राओं ने स्वादिष्ट गोलगप्पे भी स्टाल लगा कर खिलाये.



बापू बाजार के माध्यम से उपयोग योग्य वस्त्रों एवं अन्य घरेलू सामग्रियों को किफायती दरों पर उपलब्ध कराया गया। इस पहल के जरिए वस्तुओं को दोबारा उपयोग में लाकर अपशिष्ट कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

- पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं को किफायती दरों पर उपलब्ध कराने के साथ दिया फी४री, फीथ्ढी ल्लि फीू८ी का संदेश

कार्यक्रम में ठऋछ परिजात एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न पुनः उपयोग योग्य वस्तुएँ उपलब्ध कराई गईं। इस सहयोग में डॉ. अनुराधा चौहान एवं डॉ. प्रीति सिंह का विशेष योगदान रहा। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि अनुपयोगी समझकर अलग रख दी गई वस्तुएँ भी किसी अन्य के लिए उपयोगी हो सकती हैं।

इस अवसर पर गृह विज्ञान संस्थान की डीन प्रो. अर्चना सिंह ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पुनः उपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देना सतत जीवनशैली की दिशा में एक सार्थक कदम है।

बापू बाजार का सफल आयोजन निदेशक प्रो अचला गक्कर एवं डीन प्रो. अर्चना सिंह के निर्देशन में डॉ. प्रीति यादव एवं डॉ. अनुपमा गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. संघमित्रा गौतम, नेहा एवं सफलता यादव सहित संस्थान के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए इस पहल को सफल बनाया।

कार्यक्रम के माध्यम से फी४री, फीथ्ढी ल्लि फीू८ी अर्थात पुनः उपयोग, कम उपयोग एवं पुनर्चक्रण की अवधारणा को प्रोत्साहित करते हुए पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों की बचत और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

खंदौली में एटीएम कार्ड बदलकर खाते से उड़ाए 25 हजार रुपये

मदद के बहाने युवक को लगाया चूना

टीएनएफ टुडे, खंदौली।

थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर खाते से रुपये निकालने का मामला सामने आया है। रामनगर निवासी सन्नी उर्फ पप्पू सिंह ने थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की है।

पीड़ित के अनुसार, 5 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 1:55 बजे वह यूनियन बैंक के एटीएम से 25 हजार रुपये निकालने पहुंचा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने के बहाने उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। आरोप है कि इसके बाद उसके बैंक खाते से 25 हजार रुपये निकाल लिए गए। त्योहार के लिए रुपये निकालने पहुंचे युवक को घटना की जानकारी हुई तो वह परेशान हो गया।

पीड़ित कस्बे में हेयर कटिंग की दुकान चलाता है पीड़ित ने अपने स्तर से जानकारी जुटाने के बाद थाना खंदौली पहुंचकर लिखित तहरीर दी। उसने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी की पहचान करने, कानूनी कार्रवाई करने और खाते से निकाली गई रकम वापस दिलाने की मांग की है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

व्हाइट हाउस की नीतियों पर जनता का कड़ा प्रहार और अमेरिकी लोकतंत्र का बदलता हुआ सियासी समीकरण

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका में हाल ही में संपन्न हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अमेरिकी मतदाता अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को बदलने में जरा भी देर नहीं लगाते हैं। राष्ट्रपति कार्यकाल के ठीक बीच में हुए इन चुनावों में अमेरिकी जनता ने वर्तमान प्रशासनिक नीतियों और महँगाई जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी गहरी नाराजगी खुलकर दर्ज कराई है। चुनावी परिणामों में जिस तरह से विपक्षी दल ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों यानी प्रतिनिधि सभा और सीनेट में निर्णायक बढ़त हासिल की है, उसने व्हाइट हाउस की कार्यप्रणाली के सामने एक बहुत बड़ा राजनीतिक अवरोध खड़ा कर दिया है। यह परिणाम इस बात का स्पष्ट संदेश देते हैं कि आम नागरिक केवल वादों और दावों से संतुष्ट होने वाले नहीं हैं, बल्कि वे देश की आर्थिक स्थिति, बढ़ती लागत और प्रशासनिक प्राथमिकताओं से सीधे तौर पर प्रभावित होते हैं। राष्ट्रपति के लिए अपने दूसरे कार्यकाल के बचे हुए हिस्से में विधाई और नीतिगत फैसले लेना अब आसान नहीं होगा क्योंकि संसद में विरोधी दल के मजबूत नियंत्रण के चलते उन्हें हर कदम पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो अमेरिका के इन अंदरूनी राजनीतिक बदलावों का असर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, व्यापारिक समझौतों और विदेश नीतियों पर भी पड़ना स्वाभाविक है। भारत जैसे देशों के लिए भी यह जरूरी हो जाता है कि वे वाशिंगटन के बदलते राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए अपनी कूटनीतिक रणनीतियों को समय के अनुकूल ढालें। निष्कर्ष रूप में, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का यह जनादेश यह सिखाता है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज ही सबसे सर्वोपरि होती है और सत्ता के अहंकार को मतदाता किसी भी वक्त मतपेटी के जरिए आईना दिखा सकते हैं।

राजनीतिः लंबी उम्र का नुस्खा, बुढ़ापे की रामबाण दवा!

❍ बृज खंडेलवाल



लंबी उम्र का राज क्या है? योग, प्राणायाम, सुबह की सैर, हरी सब्जियां या महंगे हेल्थ सप्लीमेंट? अरे भाई, एक नुस्खा और है, जिस पर अभी तक डॉक्टरों का ध्यान नहीं गया। वह हैः राजनीति!

जी हां, राजनीति! इसे बुढ़ापे का सबसे सस्ता, दिलचस्प और असरदार टॉनिक कहा जा सकता है। इसमें मनोरंजन है, रोमांच है, सामाजिक मेलजोल है, भाषण देने का मौका है और अपनी अहमियत जताने के अनगिनत अवसर हैं। सबसे बड़ी बात; यहां रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं होती।

जरा दुनिया के बुजुर्ग नेताओं पर नजर डालिए। मलेशिया के महाथिर मोहम्मद 92 साल की उम्र में फिर प्रधानमंत्री बन गए और आज भी सौ से ऊपर की उम्र में सक्रिय हैं। कैमरून के पॉल बिया नब्बे के पार भी राष्ट्रपति बने हुए हैं। जिम्बाब्वे के रॉबर्ट मुगाबे 93 साल तक सत्ता में रहे और 95 तक जिए। क्यूबा के फिडेल कास्त्रो नब्बे के दशक में भी प्रभावशाली बने रहे। अमेरिका के स्ट्रॉम थर्मंड सौ साल की उम्र तक सीनेटर रहे।

भारत के मोरारजी देसाई 81 साल में प्रधानमंत्री बने और 99 साल तक जिए। केरल के वी.एस. अच्युतानंदन 82 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बने और 101 साल तक सक्रिय रहे। इटली के जूलियो आंद्रेओत्ती 94 साल तक राजनीति में दबदबा बनाए रहे। नेल्सन मंडेला 95 और जिमी कार्टर 100 साल तक जिए। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कार्टर सामाजिक और राजनीतिक कामों में जुटे रहे।

भारत में अटल बिहारी वाजपेयी 93, मनमोहन सिंह 92 और एम. करुणानिधि 94 साल तक जिए। एच.डी. देवगौड़ा, फारूक अब्दुल्ला, नरसिम्हा राव, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और पंजाब के प्रकाश सिंह बादल जैसे नेताओं ने भी साबित किया कि उम्र बढ़ने का मतलब मैदान छोड़ना नहीं है। अमेरिका के चक ग्रासली, बर्नी सैंडर्स और नैन्सी पेलोसी भी इस उम्र में राजनीति की धुरी बने रहे।

इन उदाहरणों से एक दिलचस्प सवाल जरूर उठता हैः क्या सक्रिय राजनीतिक जीवन इंसान को चुस्त-दुरुस्त और उत्साही बनाए रखने में मदद करता है?

जरा सोचिए, राजनीति में कदम रखते ही जिंदगी कितनी बदल जाती है। सुबह बैठक, दोपहर में प्रतिनिधिमंडल, शाम को धरना और रात को प्रेस कॉन्फ्रेंस। कभी जन्मदिन, कभी शोकसभा, कभी चुनावी जलसा। दिन कब गुजर जाता है, पता ही नहीं चलता।

रिटायरमेंट के बाद आम आदमी सुबह अखबार पढ़ता है, फिर टीवी देखता है और पड़ोसियों से बीमारी की चर्चा करता है। राजनीति में शामिल व्यक्ति के पास इससे बेहतर काम हैं। उसे लोगों की समस्याएं सुननी हैं, अधिकारियों को ज्ञापन देना है और सरकार से जवाब मांगना है।

किसी को सड़क बनवानी है, किसी को नाली साफ करवानी है। किसी को बिजली चाहिए, किसी को पार्क में बेंच। आप अचानक समाज के लिए बेहद जरूरी आदमी बन जाते हैं।

और फिर आती हैं रैलियां! सैकड़ों लोग झंडे लहरा रहे हैं। नारे लग रहे हैं। माइक गरज रहा है। आपका नाम पुकारा जा रहा है। इससे बढ़कर मनोबल बढ़ाने वाला नजारा क्या होगा?

नारे लगाने से फेफड़ों को कसरत मिलती है। जुलूस में चलने से पैरों की एक्सरसाइज होती है। भाषण देने से आवाज खुलती है। लोगों से मिलने-जुलने से सामाजिक रिश्ते मजबूत होते हैं। राजनीतिक उठापटक दिमाग को व्यस्त रखती है।

सरकारी नौकरी से रिटायर हुए? बैंक से विदा हो गए? कॉलेज की नौकरी खत्म हो गई? व्यापार से फुर्सत मिल गई? अब घर बैठकर बोर होने की क्या जरूरत है?

संसद का चुनाव लड़ना जरूरी नहीं। राजनीति तो हर जगह मौजूद है। घर से ही शुरू कीजिए!

अपनी हाउसिंग सोसायटी की कमेटी में शामिल हो जाइए। पार्किंग, सुरक्षा, सफाई और पानी के मुद्दे उठाइए। किसी क्लब की कार्यकारिणी में घुसिए। खेल संघ में पद हासिल कीजिए। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे या किसी सामाजिक संस्था की व्यवस्था में हाथ बंटाइए।

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति है। व्यापार मंडलों में अपनी अलग सियासत है। धार्मिक संस्थाओं में भी चुनाव, गुटबाजी और नेतृत्व की भरपूर गुंजाइश है।

जहां चार लोग मिलते हैं, वहां राजनीति शुरू हो जाती है। जहां पद है, वहां प्रतिष्ठा है। जहां प्रतिष्ठा है, वहां मुकाबला है।

थोड़ा मुकाबला कीजिए। अपनी पहचान बनाइए। समर्थक जुटाइए। अपनी बात मजबूती से रखिए। और हां, थोड़ा रौब भी जमाइए। आजकल की भाषा में इसे ह्यमॉगिंगह्न कहते हैं; यानी अपनी मौजूदगी और व्यक्तित्व से दूसरों पर प्रभाव जमाना।

सबसे सस्ता शौक, सबसे बड़ा शगल!

राजनीति का एक और फायदा है। इसमें शुरूआत करने के लिए महंगे जिम, विदेशी प्रोटीन पाउडर या आलीशान क्लब की जरूरत नहीं।

एक माइक, कुछ समर्थक और कोई सार्वजनिक मुद्दा काफी है। भाषण देने के लिए आत्मविश्वास चाहिए। बड़े-बड़े वादे करने के लिए तो बस जुबान चाहिए!

आप कह सकते हैं कि छह महीने में मोहल्ले की तस्वीर बदल देंगे। सड़कें चमका देंगे। पार्क को लंदन बना देंगे। नाली को साबरमती मॉडल दे देंगे। खर्च कुछ नहीं, तालियां मुफ्त!

आखिरकार, असली राजनीति समाजसेवा है, केवल पद और प्रतिष्ठा की दौड़ नहीं। तो बुजुर्गों, तैयार हो जाइए! सुबह की सैर के साथ थोड़ी राजनीतिक सैर भी शुरू कीजिए। घर की चारदीवारी से बाहर निकलें। लोगों से मिलें, बहस करें, हंसें और सक्रिय रहें।

याद रखिए, जिंदगी की पारी में रिटायरमेंट कोई फुल स्टॉप नहीं है।

और अगर कोई पूछे कि लंबी उम्र का राज क्या है, तो मुस्कराकर जवाब दीजिएः

''भाई साहब, हमने राजनीति ज्वाइन कर ली है। अभी तो हमारी दूसरी पारी शुरू हुई है। कुर्सी मिले न मिले, मैदान छोड़ने वाले नहीं!''

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

इसलिए भगवान शिव का नाम पड़ा था नीलकंठ

श्रीमद्भागवत महापुराण और शिव महापुराण के विभिन्न दुर्लभ और अनसुने अध्यायों में देवताओं और दैत्यों द्वारा किए गए ऐतिहासिक समुद्र मंथन से जुड़ी यह अत्यंत पावन और रहस्यमयी कथा संपूर्ण सृष्टि में भगवान शिव के उस परम त्याग और लोककल्याणकारी स्वरूप को उजागर करती है जिसके बिना इस ब्रह्मांड की रक्षा करना असंभव था।

पौराणिक काल में जब क्षीरसागर के मंथन के दौरान सबसे पहले संपूर्ण सृष्टि को जलाकर भस्म कर देने की क्षमता रखने वाला अत्यंत भयंकर और उष्ण हलाहल विष निकला, तो उस घातक विष की भयंकर ज्वाला से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया।

उस भयंकर विष के प्रभाव से जब सभी देवता और राक्षस भयभीत होकर मूर्छित होने लगे और इस ब्रह्मांड का विनाश तय नजर आने लगा, तब समस्त देवी-देवताओं ने घबराकर जगत के रक्षक भगवान शिव की शरण ली और उनसे इस आसन्न महाविनाश से पूरी सृष्टि की रक्षा करने की प्रार्थना की।

करुणा के सागर भगवान शंकर ने समस्त चराचर जगत के कल्याण और प्राणों की रक्षा करने के लिए उस महाविष को अपनी अंजलि में उठाया और बिना एक क्षण भी विचार किए उसे अपने मुख में रखकर पान कर लिया।

जैसे ही भगवान शिव ने उस हलाहल विष को अपने भीतर उतारने का प्रयास किया, वैसे ही जगत की माता मां पार्वती ने आगे बढ़कर अपने दोनों हाथों से भगवान शिव के गले को कसकर पकड़ लिया ताकि वह विष उनके पेट में न उतरकर केवल उनके कंठ तक ही सीमित रह जाए।

माता पार्वती की उस योगशक्ति और भगवान शिव के असीम संयम के प्रभाव से वह घातक विष उनके कंठ में ही हमेशा के लिए नीले रंग के रूप में स्थिर हो गया तथा उसी दिन से देवाधिदेव महादेव का नाम 'नीलकंठ' पड़ गया।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि सच्चा ईश्वर वही है जो संसार के संकटों और विषैली परिस्थितियों को स्वयं अपने ऊपर सहकर अपने आश्रितों और संपूर्ण मानवता की रक्षा करता है।

सेठ जी का कर्जा, जनता के विश्वास पर कितना भारी?

❍ डॉ0 दीपक गोस्वामी

प्रस्तावना : कर्ज से बड़ा सवाल है जवाबदेही का

गाँव की चौपाल पर एक दिन चर्चा छिड़ी। एक किसान बोला, ''साहब! बैंक से थोड़ा कर्ज लिया था। फसल खराब हो गई, किस्त नहीं भर पाया। बैंक वाले घर तक पहुँच गए। नोटिस आया, फोन आए, जमीन की चिंता अलग।''

तभी दूसरे व्यक्ति ने सवाल किया, ''और जब किसी बड़े कारोबारी का हजारों करोड़ रुपये का कर्ज नहीं लौटता, तब क्या होता है?''

चौपाल पर सन्नाटा छा गया।

किसी ने कहा, ''बड़े कारोबार में जोखिम भी बड़ा होता है। हर नुकसान धोखाधड़ी नहीं होता।''

एक बुजुर्ग ने बात आगे बढ़ाई, ''बिल्कुल सही! लेकिन यदि नुकसान वास्तविक है तो उसकी जाँच होनी चाहिए और यदि जानबूझकर पैसा दूसरी जगह लगाया गया, संपत्ति छिपाई गई या बैंक को गुमराह किया गया, तो जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। आखिर बैंक जनता के विश्वास पर ही तो चलते हैं।''

यहीं से असली प्रश्न जन्म लेता है। सवाल यह नहीं कि किसी कारोबारी का व्यवसाय क्यों डूबा। सवाल यह है कि ऋण किस आधार पर दिया गया, उसकी निगरानी कैसे हुई, संकट के संकेत कब मिले, वसूली के लिए क्या किया गया और अंततः नुकसान की जिम्मेदारी किसकी बनी

राइट-ऑफ का अर्थ कर्जमाफी नहीं, लेकिन सवाल फिर भी बड़ा है।

अक्सर समाचारों में सुनाई देता है कि बैंकों ने लाखों करोड़ रुपये के कर्ज राइट-ऑफ कर दिए। आम आदमी स्वाभाविक रूप से समझता है कि इतना पैसा माफ कर दिया गया। लेकिन यह समझ पूरी तरह सही नहीं है।

राइट-ऑफ मुख्यतः बैंक की लेखांकन प्रक्रिया है। इसके माध्यम से बैंक अपने बहीखातों से ऐसे खराब ऋणों को हटाते हैं जिनके संबंध में नियमानुसार प्रावधान किया जा चुका हो या जिनकी वसूली कठिन हो गई हो। इससे कर्जदार की कानूनी देनदारी अपने-आप समाप्त नहीं होती। बैंक वसूली की कार्रवाई जारी रख सकते हैं।

अर्थात राइट-ऑफ और कर्जमाफी दो अलग-अलग बातें हैं। लेकिन इस तकनीकी अंतर के पीछे एक बड़ा आर्थिक प्रश्न छिपा है। यदि बैंक किसी ऋण को अपने खाते से हटा देता है, तो उस ऋण की गुणवत्ता, उससे जुड़ी पूँजी, बैंक के लाभ और भविष्य में ऋण देने की क्षमता पर क्या प्रभाव पड़ता है? वसूली कितनी हुई? कितनी राशि अब भी बाकी है? और क्या ऋण स्वीकृति से लेकर वसूली तक हर स्तर पर जिम्मेदारी तय की गई?

जनता को इन सवालों के स्पष्ट उत्तर चाहिए।

रु. 9.95 लाख करोड़ : आँकड़ा बड़ा है, इसलिए उसकी सही व्याख्या भी जरूरी है

अगस्त 2026 में संसद में प्रस्तुत सरकारी जानकारी के अनुसार, वित्तवर्ष 2014-15 से 2025-26 तक बड़े उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की श्रेणी में बैंकों ने लगभग ?9.95 लाख करोड़ के ऋण राइट-ऑफ किए। इसी जानकारी के अनुसार, इस श्रेणी में राइट-ऑफ की राशि 2018-19 में लगभग रु. 1.49 लाख करोड़ के उच्च स्तर तक पहुँची थी और 2025-26 में घटकर लगभग रु. 20,485 करोड़ रही। यह आँकड़ा गंभीर विमर्श की माँग करता है। लेकिन इसे समझते समय तीन सावधानियाँ अनिवार्य हैं।

पहली, यह बड़े उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की श्रेणी का आँकड़ा है, केवल किसी एक बैंक या केवल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का नहीं।

दूसरी, राइट-ऑफ की गई राशि का अर्थ यह नहीं कि उतनी ही राशि कर्जमाफी के रूप में दे दी गई।

तीसरी, अलग-अलग वर्षों में की गई वसूली पुराने वर्षों में राइट-ऑफ किए गए ऋणों से भी संबंधित हो सकती है। इसलिए किसी एक वर्ष की वसूली को उसी वर्ष के राइट-ऑफ से जोड़कर सीधा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं।

आँकड़ों की गंभीरता इसी में है कि हम उन्हें न तो छिपाएँ और न ही गलत अर्थ देकर प्रस्तुत करें।

बैंक का पैसा आखिर किसका है?

बैंक केवल इमारत, तिजोरी और कंप्यूटर का नाम नहीं है। बैंकिंग व्यवस्था लोगों की जमा पूँजी, संस्थागत पूँजी, नियामकीय अनुशासन और सार्वजनिक विश्वास पर खड़ी होती है।

जमाकर्ता अपनी मेहनत की कमाई बैंक में इसलिए रखता है कि आवश्यकता पड़ने पर उसका धन सुरक्षित मिले। बैंक उसी संसाधन को ऋण के रूप में आगे बढ़ाते हैं। इसीलिए ऋण देना केवल व्यावसायिक निर्णय नहीं, एक बड़ी सार्वजनिक जिम्मेदारी भी है।

यह कहना गलत होगा कि प्रत्येक राइट-ऑफ का पैसा सीधे जमाकर्ताओं की जेब से निकाल लिया गया। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि राइट-ऑफ की प्रक्रिया अपने-आप तत्काल नकदी का बहिर्गमन नहीं करती, क्योंकि खराब ऋणों के लिए प्रावधान पहले किए जा सकते हैं।

फिर भी खराब ऋण बैंक के वित्तीय परिणाम, पूँजी की स्थिति और ऋण देने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मामले में यह प्रश्न सार्वजनिक वित्त और सार्वजनिक संस्थाओं की जवाबदेही से भी जुड़ जाता है। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हर नुकसान जनता से वसूला गया। प्रश्न यह है कि सार्वजनिक विश्वास पर चलने वाली व्यवस्था में जोखिम का आकलन और नुकसान की जवाबदेही कितनी पारदर्शी है?

व्यवसाय का डूबना अपराध नहीं, लेकिन धोखाधड़ी को व्यवसाय कहना भी अपराध है

हर कारोबारी असफलता को धोखाधड़ी कहना अन्याय होगा। बाजार बदलता है, मांग घटती है, कच्चा माल महँगा होता है, तकनीक पुरानी पड़ती है, प्राकृतिक आपदाएँ आती हैं और कभी-कभी अच्छे प्रबंधन के बावजूद कारोबार संकट में आ जाता है।

ऐसे मामलों में ऋण का पुनर्गठन, समाधान योजना या वैधानिक दिवाला प्रक्रिया आर्थिक पुनरुद्धार का रास्ता बन सकती है।

लेकिन दूसरी ओर ऐसे मामले भी होते हैं जहाँ कर्ज चुकाने की क्षमता होने के बावजूद जानबूझकर भुगतान नहीं किया जाता, ऋण की राशि निर्धारित उद्देश्य से हटाकर दूसरी जगह लगा दी जाती है, धन का दुरुपयोग या गबन होता है अथवा बैंक के पास गिरवी रखी संपत्ति को अनधिकृत तरीके से बेच दिया जाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशों में विलफुल डिफॉल्टर की पहचान के लिए निर्धारित मानदंड और प्रक्रिया मौजूद हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या कंपनी को बिना जाँच और निर्धारित प्रक्रिया के जानबूझकर कर्ज न चुकाने वाला घोषित नहीं किया जा सकता।

लेकिन यदि जाँच में जानबूझकर की गई चूक प्रमाणित हो, तो कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए।

न्याय का सिद्धांत स्पष्ट है—वास्तविक कारोबारी असफलता को अपराध न बनाया जाए और आर्थिक अपराध को व्यावसायिक असफलता बताकर छिपाया न जाए।

बैंक के भीतर भी जवाबदेही तय होनी चाहिए

मान लीजिए किसी कंपनी को हजारों करोड़ रुपये का ऋण दिया गया। ऋण स्वीकृत करने से पहले उसकी परियोजना का मूल्यांकन किसने किया? कंपनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति किसने जाँची? गिरवी रखी संपत्ति का मूल्य किस आधार पर तय हुआ? ऋण की राशि निर्धारित उद्देश्य पर खर्च हो रही है या नहीं, इसकी निगरानी किसने की? और जब भुगतान में देरी शुरू हुई, तब बैंक ने क्या कदम उठाए?

बैंकिंग व्यवस्था में एसएमए-0, एसएमए-1 और एसएमए-2 जैसी प्रारंभिक चेतावनी श्रेणियाँ मौजूद हैं। इनके माध्यम से भुगतान में 1 से 30 दिन, 31 से 60 दिन और 61 से 90 दिन की देरी वाले खातों में बढ़ते जोखिम की पहचान की जाती है।

अर्थात संकट को पहचानने और समय रहते कदम उठाने की व्यवस्था मौजूद है। अब यह देखना जरूरी है कि उसका वास्तविक उपयोग कितनी प्रभावशीलता से होता है।

यदि किसी ऋण में गलत मूल्यांकन, लापरवाही, मिलीभगत या समय पर कार्रवाई न करने की भूमिका सामने आती है, तो केवल कर्जदार ही नहीं, संबंधित निर्णय-प्रक्रिया की भी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।

हर डूबे ऋण के लिए बैंक अधिकारी को दोषी ठहराना उचित नहीं, लेकिन हर मामले में बैंक की जिम्मेदारी से आँखें बंद कर लेना भी उचित नहीं।

एनसीएलटी और दिवाला प्रक्रिया : राहत किसे, नुकसान कितना?

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (क्ह्उ) का उद्देश्य संकटग्रस्त कंपनियों के समाधान के लिए समयबद्ध और व्यवस्थित प्रक्रिया उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (ठउछळ) की प्रक्रिया के माध्यम से किसी कंपनी का समाधान हो सकता है या परिसमापन की स्थिति बन सकती है।

कई मामलों में समाधान योजना के तहत ऋणदाताओं को उनके कुल स्वीकार किए गए दावों से कम राशि प्राप्त होती है। इसे सामान्य भाषा में हेयरकट कहा जाता है।

लेकिन यहाँ भी तुलना का आधार समझना जरूरी है। समाधान योजना से प्राप्त राशि की तुलना कुल स्वीकार किए गए दावों, उचित मूल्य और परिसमापन मूल्य से की जा सकती है। ये तीनों अलग-अलग आधार हैं। एक प्रतिशत को दूसरे का प्रमाण बताना गलत होगा।

समाधान प्रक्रिया का उद्देश्य केवल अधिकतम वसूली करना नहीं, बल्कि उपलब्ध परिस्थितियों में परिसंपत्तियों का बेहतर मूल्य बचाना, कारोबार को संभव हो तो जारी रखना, रोजगार और आर्थिक गतिविधि को सुरक्षित रखना तथा ऋणदाताओं के हितों का संतुलन बनाना भी है।

इसलिए हर हेयरकट को घोटाला कहना गलत है। लेकिन हर समाधान योजना को सफलता बताकर वसूली की गुणवत्ता और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाना बंद कर देना भी गलत है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 07 नवंबर 2026 शुक्रवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन धन की देवी मां लक्ष्मी और वैभव के दाता ग्रह शुक्र की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन माता लक्ष्मी के मंदिर में जाकर गुलाबी पुष्प और मिश्री का भोग लगाने तथा श्रीसूक्त का पाठ करने से जीवन के सभी आर्थिक संकट दूर होते हैं और अटूट ऐश्वर्य तथा सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। माता लक्ष्मी को गुलाबी फूल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में खीर का भोग लगाएं जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। श्रीसूक्त का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।



कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्त्र भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। मां दुर्गा का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में इत्र अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। माता के मंदिर में कमल का फूल चढ़ाएं जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। शुक्रवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। दुर्गा चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। माता के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर की उत्तर-पश्चिम दिशा यानी वायव्य कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां सुगंधित धूपबत्ती जलाने तथा मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए रंगोली सजाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी की कृपा से घर में धन-धान्य, वैभव और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

46 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापामार कार्यवाही

चार दुकानें निलम्बित नौ को कारण बताओ नोटिस

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- 46 खाद प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, चार के लाइसेंस निलंबित
- नौ खाद विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस, बिक्री पर भी कार्रवाई
- बिना आधार-खतौनी और ठ्ठर सत्यापन के खाद खरीदने से बचें किसान

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में जनपद में कार्यरत सहकारिता एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के उर्वरक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने हेतु 10 टीमें गठित करते हुये उर्वरक बिक्री केन्द्रों का निरीक्षण करने हेतु निर्देश दिये गये थे।

जनपद में 10 विकास खण्ड में उप जिलाधिकारियों की गठित टीमों द्वारा 46 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापामार कार्यवाही की गई, छापामार कार्यवाही के समय उर्वरक प्रतिष्ठानों पर अनियमितातायें पाये जाने पर संबंधित निम्न उर्वरक विक्रेताओं के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्राविधानों के अनुसार कारण बताओ नोटिस एवं उर्वरक लाइसेंस निलम्बित करते हुये उर्वरक क्रय विक्रय प्रतिबन्धित किया गया है।

कारण बताओ नोटिस निर्गत

1- रबी खाद बीज भण्डारा, मण्डी चौराहा

2 - आईएफएफडीसी अवैरनी

3- मीनू खाद बीज भण्डार, मॉट

4-एग्री जक्शन केन्द्र, मॉट रोड

5 - रबी खाद भण्डार, मॉट

6- नवीन खाद बीज भण्डार मॉट

7- गौरव खाद बीज भण्डार जमुनाबता गोवर्धन

8- आई०एफ०एफ०डी०सी बरसाना

9- राधे राधे कृषि सेवा केन्द्र मॉट रोड राया।

निलम्बित उर्वरक प्राधिकार पत्र

1- चौधरी एग्रो एजेन्सी, फरह

2- अग्रवाल खाद बीज भण्डार, फरह

3- दक्षित खाद बीज भण्डार फरह

4- पारस खाद भण्डार, फरह

जनपद के समस्त कृषकों से अनुरोध है कि जनपद मथुरा का सहकारी / निजी उर्वरक बिकी केन्द्र प्रभारी आपको बिना एफआईडी/ नकल खतौनी, आधार कार्ड, एवं पीओएस मशीन में अगूंठा लगाये बगैर उर्वरक की बोरी विक्रय करता है तो आप तत्काल अधोहस्ताक्षरी के मोबाइल 8272893015 पर तत्काल कॉल कर अवगत कराये ताकि संबंधित विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जा सके। कृषक पॉस मशीन में अगूंठा लगाकर बिकी रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराकर हस्ताक्षर करने के उपरान्त ही उर्वरक प्राप्त करें, यदि कोई विक्रेता बिना अगूंठा लगाये उर्वरक विक्रय कर रहा है, तो वह उर्वरक नकली हो सकता है, जिसे कृषक भाई भली भांति समझलें।

यम द्वितीया पर्व को प्रशासन ने कमर कसी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



आगामी यम द्वितीया पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से विश्राम घाट, बंगाली घाट आदि प्रमुख यमुना घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सफाई व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। यम द्वितीया के पावन अवसर पर यहाँ देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगमता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए । सर्वसम्बन्धित को दिशा-निर्देश प्रदान किए गए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और घाटों पर गोताखोरों, लाइटिंग तथा चेंजिंग रूम आदि की पुख्ता व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए ताकि त्योहार शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके ।

सीएई अकादमी बनी डिस्ट्रिक्ट जूनियर क्रिकेट लीग की विजेता

जिला जूनियर क्रिकेट लीग 2026

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

हरीश राघव पब्लिक स्कूल के मैदान पर आज खेले गए फाइनल मे सीएई अकादमी ने टॉस जीत कर पहले गेन्दबाजी करने का फैसला किया बल्लेबाजी करने उतरी अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 30 ओवर में 9 विकेट खोकर 125 रन बनाये जिनकी ओर से तेजस कुमार ने शानदार 52 रन,आर्यन चाहर ने 49 नाबाद रन और आशीष आढ़ना ने 12 रन का योगदान दिया। सीएई अकादमी की ओर से गेन्दबाजी करते हुऐ वीर प्रताप ने 3, देव गोधर ने 2 और अंकुल धनगर व गौरव तंवर ने 1-1 विकेट लिए। जवाब मे बल्लेबाजी करने उतरी सी. ए. ई अकादमी की टीम ने 26.4 ओवर मे 6 विकेट खोकर 126 लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

इस प्रकार सी. ए. ई अकादमी ने 4 विकेट से मैच जीत लिया और ट्रॉफी पर कब्जा किया । सी. ए. ई अकादमी मथुरा की तरफ से अंकुल धनगर ने शानदार नाबाद 55 रन की पारी खेली,तनुज चौधरी ने 33 रन नाबाद तथा सम्यक सिकरवार ने 16 रन की पारी खेली।अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की ओर से गेन्दबाजी करते हुऐ दुष्यंत चौधरी ने 4 विकेट , पीयूष चाहर ने 2 विकेट। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरुष्कार अंकुल धनगर को दिया गया । विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुलश्रेष्ठ, सचिव कमल चावला तथा सीनियर क्रिकेटर अशोक कैंथवास सयुंक्त रूप से प्रदान की। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार रोहित सिंह, रवि गुर्जर तथा रचित चावला द्वारा प्रदान किये गये। फाइनल मैच के अंपायर अनिल आहूजा और मोहम्मद असलम खान रहे और स्कॉरिंग गौरव जादौन ने की। आशुतोष दीक्षित, जगदीश अग्रवाल, गोविन्द शर्मा,विष्णु, अमन सिसोदिया,आशीष, भुवन आदि लोग मौजूद रहे। यह जानकारी संघ के सचिव कमल चावला ने दी।

अदूकी में पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत अदूकी के पास स्थित एक आवासीय कॉलोनी में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

चौकी इंचार्ज तारसी नितिन राठी ने बताया कि ग्राम पंचायत अदूकी के पास आवासीय कॉलोनी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पेड़ से लटका होने की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस द्वारा मृतक की शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

बेकाबू कार ने खेत में मचाई तबाही

एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों को कुचला

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

- बाबा-बेटे और नाती की मौके पर मौत
- हाईवे से उतरकर खेत में घुसी तेज रफ्तार स्विफ्ट कार
- ग्रामीणों ने लगाया जाम

मथुरा-बरेली हाईवे पर गुरुवार सुबह करीब आठ बजे राया थाना क्षेत्र के गांव गजू के पास भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार अनियंत्रित स्विफ्ट कार हाईवे से उतरकर सीधे खेत में जा घुसी और वहां काम कर रहे बाबा उनके बेटे और नाती को रौंद दिया। हादसे में जवाहर सिंह उनके बेटे हरवीर और नाती अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर फरार हो गया। मांट के विधायक राजेश चौधरी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वसन दिया।

जानकारी के अनुसार गांव गजू निवासी जवाहर सिंह अपने खेत में पूर्वजों के लिए स्थान बनवा रहे थे। गुरुवार सुबह उनके साथ बेटा हरवीर और नाती अंकित भी खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बरेली की ओर से मथुरा आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार हाईवे से उतरकर सीधे खेत में जा घुसी और तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि अनियंत्रित होने के बाद वह हाईवे से काफी दूर खेत में जा पहुंची। लोगों ने बताया कि कुछ पल के लिए ऐसा लगा मानो कार हवा में उड़ती हुई खेत में जा गिरी हो। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। वहीं चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया।

एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों की मौत की खबर से गांव में कोहराम मच गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मथुरा-बरेली हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर राया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद गांव गजू में मातम पसरा हुआ है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से हर आंख नम है।

कचहरी सहित नगर निगम के मेयर के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी से खलबली

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

दीपोत्सव और दिवाली के बीच कचहरी को बम से दहलाने की धमकी मिलने से प्रशासन और पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। जिला न्यायालय के आधिकारिक ईमेल पर आए धमकी भरे संदेश में 8 नवंबर को न्यायालय परिसर में विस्फोट करने की चेतावनी दी गई है। अयोध्या के साथ वाराणसी और मथुरा के धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। संदेश की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस सतर्क हो गए हैं। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बुधवार को एसएसपी को पत्र लिखकर न्यायालय की सुरक्षा तत्काल मजबूत करने को कहा है।

जिला न्यायालय की अधिकृत ईमेल आईडी पर स्लेटर जॉन्सन नामक ईमेल आईडी से दोपहर 12:25 बजे एक संदेश प्राप्त हुआ है। इसमें लिखा गया है कि ""8 नवंबर को काली दिवाली होगी। अयोध्या, वाराणसी और मथुरा बोलेगा खालिस्तान-खालिस्तान जिंदाबाद, 8 नवंबर से धमाके होंगे, जो 27 नवंबर तक चलेंगे""। संदेश में खालिस्तान समर्थक नारे और कुछ संगठनों के नामों का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा वाराणसी के स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है और अपने बच्चों को बचाने की बात कही गई है।

सीजेएम ने की कार्रवाई की मांग

यह ईमेल प्राप्त होते ही न्यायालय में हलचल मच गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पीयूष त्रिपाठी ने एसएसपी को पत्र भेजकर न्यायालय परिसर की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की मांग की। पत्र में उन्होंने पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रवेश और निकास द्वारों पर सघन जांच, संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की तलाशी और बम निरोधक व श्वान दस्ते से नियमित जांच कराने को कहा है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों से प्रभावी निगरानी, सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने और ई-मेल के स्रोत व प्रेषक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। वहीं, 8 से 27 नवंबर तक विशेष सतर्कता के साथ अतिरिक्त सुरक्षा बल और गश्त की व्यवस्था करने को भी कहा गया है।

बढ़ाई गई कचहरी में निगरानी

ईमेल की सूचना पर नगर कोतवाली और कैंट पुलिस दोपहर में ही कचहरी पहुंची और सभी प्रवेश द्वारों की सघन चेकिंग की गई। परिसर में भी छानबीन की गई। वहीं, प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटक्टर समेत अन्य उपकरणों की क्रियाशीलता का परीक्षण करके मौजूद कर्मियों को हर समय अलर्ट रहने का निर्देश दिया। बगैर चेकिंग के किसी भी व्यक्ति को कचहरी में प्रवेश न करने देने के निर्देश दिए गए। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि बृहस्पतिवार से ही कचहरी की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। विभिन्न तकनीकी माध्यमों से निगरानी बढ़ाई जा रही है। ईमेल के स्रोतों का पता लगाया जा रहा है।

06 से 30 नवम्बर तक होगा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण

अन्त्योदय को 35 किलो और पात्र गृहस्थी को 5 किलो प्रति यूनिट राशन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

- अन्त्योदय कार्डधारकों को 21 किग्रा गेहूं व 14 किग्रा चावल
- पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को 3 किग्रा गेहूं व 2 किग्रा चावल प्रति यूनिट मिलेगा निःशुल्क

जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के लिए राहत भरी खबर है। खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा गरीब लाभार्थियों के आर्थिक बोझ को कम करने और राष्ट्रीय एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित सभी लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है।

इस योजना के तहत माह नवंबर 2026 के लिए निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया 06 नवंबर 2026 से प्रारंभ होकर 30 नवंबर 2026 तक निरंतर जारी रहेगी। राशन कार्डधारक निर्धारित तिथियों के भीतर अपनी उचित दर की दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी ने वितरण की मात्रा स्पष्ट करते हुए बताया कि अन्त्योदय योजना के अंतर्गत आच्छादित राशन कार्डधारकों को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न (21 किग्रा गेहूं एवं 14 किग्रा चावल) पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। वहीं, पात्र गृहस्थी योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाभार्थियों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति यूनिट (3 किग्रा गेहूं एवं 2 किग्रा चावल प्रति यूनिट) के हिसाब से निःशुल्क वितरित किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्डधारकों से अपील की है कि वे ई-पॉश (ी-ढङ्कर) मशीन के माध्यम से बायोमीट्रिक प्रमाणीकरण कराकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना राशन प्राप्त करें।

विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों को लेकर डीएम और एसएसपी ने की बैठक,

सेक्टर मजिस्ट्रेटों को एक घंटे में सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण करने के निर्देश

फिरोजाबाद। आगामी विधानसभा निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं निर्वाचन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से दिशा-निर्देश दिए गए।



बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टियों, राजनीतिक दलों और रिटर्निंग अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेंगे। सामान्यतः 10 से 12 मतदान केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को एक घंटे के भीतर अपने आवंटित क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण सुनिश्चित करना होगा। उन्हें नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमण करने और ग्रामीण स्तर के कर्मचारियों व आम नागरिकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर ईपी रेशियो, जेंडर रेशियो और आयु वर्ग के अनुसार मतदाताओं के आंकड़ों का सत्यापन करने पर विशेष जोर दिया गया। ईपी रेशियो लगभग 61 प्रतिशत बनाए रखने तथा एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने क्षेत्रों में वल्नरेबिलिटी मैपिंग कराने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। तकनीकी व्यवस्थाओं के तहत बीएलओ ऐप के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन रखने और मतदाताओं की सुविधा के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को अपने क्षेत्र के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, ईआरओ और एईआरओ के मोबाइल नंबर उपलब्ध रखने को कहा गया। साथ ही बीएम-1 से बीएम-4 तक के विभिन्न प्रपत्रों एवं रिपोर्टों का समय से अध्ययन कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता और निष्ठा के साथ कार्य करने को कहा, ताकि आगामी विधानसभा निर्वाचन पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके।

अधिवक्ताओं ने भाजपा कार्यकताओं को दिखाया बाहर का रास्ता धक्के मार कर किया बाहर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गोवर्धन तहसील परिसर में उस समय हलचल मच गई, जब भाजपा कार्यकताओं और अधिवक्ताओं के बीच विवाद की स्थिति बन गई। अधिवक्ताओं ने भाजपा कार्यकताओं का विरोध करते हुए उन्हें तहसील परिसर से बाहर निकाल दिया।गोवर्धन तहसील में रजिस्ट्री कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं को अधिवक्ताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध के बीच अधिवक्ताओं ने भाजपा कार्यकताओं को तहसील परिसर से बाहर निकाल दिया।

150 युवा नागरिकों ने फिरोजाबाद में युवा संवाद के के जरिए जाना वोट का महत्व

फिरोजाबाद। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत, दिनांक 05 नवंबर 2026 को नारायण डिग्री कॉलेज, शिकोहाबाद में युवा संवाद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में युवा नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को एक साझा मंच पर लाया गया, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देना, जागरूक सहभागिता को प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करना था। कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं युवा नागरिकों ने भाग लिया।

देशव्यापी विकसित भारत युवा संवाद पहल के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम 26 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक देशभर के 500 विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में श्री विशाल गुप्ता, जिला कार्यकारिणी सदस्य, एवं सुशील यादव, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसमें स्नेह जैन, यूथ आइकॉन, जो राज्य स्तर पर फिरोजाबाद का प्रतिनिधित्व करती हैं, भी उपस्थित रहीं। उनकी उपस्थिति से लोकतांत्रिक नेतृत्व एवं युवाओं की आकांक्षाओं से जुड़े विचारों को एक मंच प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त नारायण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य भी उपस्थित रहे



तथा उन्होंने युवाओं को अपनी वोटर आईडी बनवाने का आह्वान किया।

नारायण डिग्री कॉलेज, शिकोहाबाद में युवाओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री विशाल गुप्ता ने कहा, ह्लप्रत्येक व्यक्ति का वोट बहुत महत्वपूर्ण है। सभी विद्यार्थियों को अपनी वोटर आईडी बनवानी चाहिए और अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करना चाहिए। मतदान केवल हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। आप अपने मत का प्रयोग अपने क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने, योग्य प्रतिनिधि चुनने और देश के विकास में योगदान देने के लिए अवश्य करें। एक जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की नींव है।ह्व

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विद्यार्थियों एवं मुख्य अतिथि के बीच आयोजित संवाद सत्र रहा। संवाद का प्रमुख विषय ह्लहमारा मत, हमारा अधिकारह्व रहा। प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे तथा अपने विचार साझा किए। विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुख्य अतिथि ने कहा, ह्लयह प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने वोट का प्रयोग अपने क्षेत्र में अच्छे बदलाव के लिए अवश्य करे।ह्व

नारायण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ह्ललोकतंत्र में मतदान प्रत्येक नागरिक का महत्वपूर्ण अधिकार एवं नैतिक दायित्व है। युवाओं को चाहिए कि वे अपनी वोटर आईडी अवश्य बनवाएं तथा अपने मताधिकार का प्रयोग जागरूकता और विवेक के साथ करें। आपका एक वोट समाज और देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए अपने मत का प्रयोग अवश्य करें और दूसरों को भी मतदान के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें। एक जिम्मेदार मतदाता बनकर ही हम सशक्त लोकतंत्र एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं।ह्व

कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें पंकज कुमार ने प्रथम, स्वाति शर्मा ने द्वितीय तथा साहिल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को जिला युवा अधिकारी द्वारा मेडल, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर कविता यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर नारायण डिग्री कॉलेज की सहायक प्रोफेसर प्रियंका देवी राजपूत एवं प्रोफेसर स्वीटी सिंह भी उपस्थित रहीं।

भव्य गंगा उत्सव: सोरों में गंगा मैया की आरती के साथ छोड़े गए 244 कछुए

वन विभाग की अनूठी पहल से संवर रहा गंगा का पर्यावरण

टीएनएफ टुडे, सोरों जी।

पवित्र नगरी सोरों के हरि की पौड़ी गंगा घाट पर बुधवार की रात्रि वन विभाग और जिला गंगा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य गंगा उत्सव का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान जहाँ एक ओर माँ गंगा की आलौकिक आरती उतारकर पूरा घाट शंखनाद और मंत्रोच्चार से गूँज उठा, वहीं दूसरी ओर जलीय जीव संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए लहरा गंगा घाट पर 244 कछुए सकुशल गंगा नदी में छोड़े गए।

पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता का अनूठा संगम

वन विभाग और जिला गंगा समिति का यह प्रयास गंगा की निर्मलता और उसकी जैव विविधता (अ०४३ इङ्ङ्पि१२३८) को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। नदी के प्राकृतिक सफाईकमी माने जाने वाले इन कछुओं के छोड़े जाने से गंगा का पारिस्थितिकी तंत्र (एङ्ङ२८२३ी) मजबूत होगा और जल प्रदूषण पर प्रभावी अंकुश लगेगा। वन विभाग की इस दूरदर्शी सोच और पर्यावरण-हितैषी पहल की स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की है।



भव्य आरती में उमड़े अधिकारी और गणमान्य लोग

बुधवार की देर शाम आयोजित इस भव्य गंगा उत्सव में प्रशासनिक और वनीकरण महकमे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए– प्रभागीय वनाधिकारी (ऊ्रङ्ख) संजीव कुमार

मुख्य विकास अधिकारी (उऊ्ड) वीरेंद्र सिंह

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (इरअ)

वनक्षेत्र अधिकारी विवेक कुमार

राधा कृष्ण दीक्षित एवं नवल किशोर कुलश्रेष्ठ

जिला परियोजना अधिकारी सुजीत कुमार तिवारी

सहित वन विभाग का समस्त मैदानी एवं प्रशासनिक स्टाफ पूरी तन्मयता के साथ मौजूद रहा। अधिकारियों ने गंगा घाट पर दीप जलाकर माँ गंगा से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और नदी के अविरल-निर्मल प्रवाह की कामना की।

वन विभाग की प्रतिबद्धता का दिखा असर

वन विभाग की सक्रियता और पर्यावरण के प्रति इस समर्पित पहल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विभाग केवल वनों के संरक्षण तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जल स्रोतों और उनकी जीवन-रेखाओं को बचाने के लिए भी पूरी तरह कटिबद्ध है। इस सफल आयोजन से क्षेत्र में जल संरक्षण और गंगा स्वच्छता को लेकर एक सकारात्मक संदेश गया है।

हादसा: भगवंत पुल पर अनियंत्रित बाइक ने मारी टक्कर, बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

कासगंज। थाना क्षेत्र ढोलना में तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार सुबह भगवंत पुल पर एक अनियंत्रित बाइक सवार ने आगे चल रही मोटरसाइकिल में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 65 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, नगला रजजी निवासी सेतपाल (65) पुत्र यादराम गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अपने भाई किशन पाल के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से भगवंत पुल की तरफ जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक पुल पर पहुंची, तभी पीछे से आ रहे एक अज्ञात बाइक चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही सेतपाल और उनके भाई सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सेतपाल को शरीर और सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल सेतपाल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों की टीम घायल बुजुर्ग का उपचार कर रही है। वहीं हादसे के बाद आरोपी बाइक चालक मौके से भागने में सफल रहा।

जनगणना-2027 की तैयारी तेज, अब घर-घर होगी आबादी की गिनती!

डीएम ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध और त्रुटिरहित जनगणना के निर्देश।



टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक
- स्व-गणना का होगा व्यापक प्रचार-प्रसार
- सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश

जिलाधिकारी प्रणय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) की तैयारियों के संबंध में की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध राष्ट्रीय दायित्व है। जनगणना के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार कर आम जनमानस को इसके लिए प्रेरित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वेच्छा से स्व-गणना प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरी शुद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, अपर जिलाधिकारी आलोक गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपावली का संदेश लेकर जिलेभर में दौड़ेंगे जागरूकता वाहन

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

- डीएम-सीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को किया रवाना
- बाजारों, घाटों और सार्वजनिक स्थलों पर दिखाई जाएगी दीपावली की रील
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनहितकारी संदेशों से करेंगे जागरूक

सूचना विभाग। जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने आज कलेक्ट्रेट परिसर से दीपोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि दीपोत्सव वाहन शासन द्वारा भेजे गए हैं जिसके माध्यम से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को दीपावली की रील दिखाई जायेगी। इसके साथ ही तहसील मुख्यालयों, प्रमुख बाजारों, घाटों तथा अन्य ऐसे सार्वजनिक स्थलों को प्राथमिकता दी जाए, जहां आमजन की अधिक आवाजाही रहती है। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव वाहन का संचालन इस प्रकार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक आवश्यक जनहितकारी संदेश पहुंच सकें। इसके माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

46 साल से कायम है रामलीला की परंपरा, गणेश पूजन और आरती के साथ धुबियाई में महोत्सव का शुभारंभ

अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने फीता काटकर किया उद्घाटन, बोले- रामलीला हमारी संस्कृति, संस्कार और धार्मिक विरासत को सहेजने का सशक्त माध्यम

टीएनएफ टुडे, सिढ़पुरा।

विकासखंड सिढ़पुरा क्षेत्र के ग्राम धुबियाई में बुधवार रात्रि को पारंपरिक रामलीला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के पूजन और आरती के साथ किया गया। इसके बाद अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने फीता काटकर रामलीला महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान धार्मिक वातावरण के बीच ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। खास बात यह है कि ग्राम धुबियाई में वर्ष 1980 से लगातार रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। करीब 46 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा आज भी ग्रामीणों की आस्था, सहयोग और सांस्कृतिक चेतना के साथ आगे बढ़ रही है।



उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक हरिओम वर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन आदर्श, मयार्दा, त्याग, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा की अनुपम मिसाल है। रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को भगवान श्रीराम के आदर्शों और उनके जीवन मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है। इसके माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के चरित्र को समझने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ना बेहद जरूरी है। रामलीला जैसे आयोजन हमारी प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने के साथ ही समाज में नैतिकता, सद्भाव और अच्छे विचारों का संचार करते हैं। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन से सिखाया कि विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य, धर्म और मयार्दा का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए।

विधायक ने ग्राम धुबियाई में वर्ष 1980 से लगातार रामलीला का आयोजन किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि करीब 46 वर्षों तक किसी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाना अपने आप में सराहनीय प्रयास है। यह ग्रामीणों की अटूट आस्था, सामूहिक एकजुटता और समर्पण को दशार्ता है। समय के साथ पीढ़ियां बदलती रहीं, लेकिन गांव के लोगों ने रामलीला की परंपरा को टूटने नहीं दिया। ऐसे आयोजन किसी गांव की सांस्कृतिक पहचान बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत के रूप में सुरक्षित रहते हैं।

उन्होंने आयोजन समिति और समस्त ग्रामीणों को रामलीला महोत्सव के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता मजबूत होती है। ऐसे कार्यक्रमों में सभी वर्गों की सहभागिता समाज को एकजुट करने का काम करती है।

इस अवसर पर डॉ. बाबूराम राजपूत, धर्मबीर सिंह सोलंकी, सुमित विजयवर्गीय, विष्णु देव पाठक, जितेंद्र बघेल, कुलदीप सिंह सोलंकी, दुर्गेश पाल प्रधान,उदित विजयवर्गीय, वसीम पत्रकार, सुनील राघव, मुनेश राघव, छोटे सिंह राघव, विवेक राघव एवं पंडित अमर संत सहित अन्य गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भगवान गणेश के पूजन और आरती के साथ शुरू हुए रामलीला महोत्सव को लेकर गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। ग्रामीणों में आगामी रामलीला मंचन को लेकर विशेष उत्सुकता दिखाई दी। वर्ष 1980 में शुरू हुई यह परंपरा आज भी गांव के लोगों के सहयोग और श्रद्धा से निरंतर आगे बढ़ रही है।

रोचक चौहान बने भाजपा? किसान मोर्चा के जिला मंत्री



कासगंज । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह के निर्देश पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का जिला मंत्री रोचक चौहान को नियुक्त किया गया है। उनको भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने मनोनयन पत्र देकर सम्मानित किया। इस उपलक्ष्य में क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा के कैंप कार्यालय पर अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान भाजपाइयों के द्वारा नवनियुक्त जिला मंत्री रोचक चौहान का पटका पहनकर एवं स्मृति चिन्ह देकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान रोचक चौहान ने जिला मंत्री पद पर मनोनयन होने पर उन्होंने पार्टी के लिए जीजान से लगने का भरोसा दिया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा, भाजपा जिला महामंत्री संजय सोलंकी, मंडल अध्यक्ष चित्तर सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष दरवेश फौजी, जिला पंचायत सदस्य राजपाल सिंह, भाजपा मंडल महामंत्री विवेक वर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता सर्राफ, तिर्मल सिंह, हिदेश सर्राफ, जितेंद्र भारद्वाज, भीमसेन कश्यप, पुष्पेंद्र राजपूत, संजय राजा, आदि मौजूद रहे।

अनियंत्रित कंटेनर घर में घुसा, लोहे का गेट और दीवारें क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे परिवार के लोग

कासगंज। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खेड़िया में गुरुवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अनियंत्रित कंटेनर तेज रफ्तार में सीधे एक आवासीय मकान में जा घुसा। इस भीषण हादसे में मकान का मुख्य लोहे का गेट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दीवारों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। गनीमत रही कि हादसे के वक्त घर के लोग चपेट में आने से बाल-बाल बच गए, वरना कोई बड़ा हादसा हो सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला खेड़िया निवासी राकेश अग्रवाल के पुत्र अंशुल अग्रवाल का मकान है। गुरुवार की सुबह करीब 10 बजे एक अनियंत्रित कंटेनर अचानक अनियंत्रित होकर उनके घर में जा घुसा, जिससे तेज धमाका हुआ और आसपास के लोग सहम गए। घटना के तुरंत बाद पीड़ित मकान मालिक अंशुल अग्रवाल ने स्थानीय कोतवाली पहुंचकर लापरवाही से वाहन चलाने वाले कंटेनर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए लिखित प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीपावली का संदेश लेकर जिलेभर में दौड़ेंगे जागरूकता वाहन

कासगंज। सूचना विभाग। जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने आज कलेक्ट्रेट परिसर से दीपोत्सव वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि दीपोत्सव वाहन शासन द्वारा भेजे गए हैं जिसके माध्यम से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों को दीपावली की रील दिखाई जायेगी। इसके साथ ही तहसील मुख्यालयों, प्रमुख बाजारों, घाटों तथा अन्य ऐसे सार्वजनिक स्थलों को प्राथमिकता दी जाए, जहां आमजन की अधिक आवाजाही रहती है। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव वाहन का संचालन इस प्रकार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक आवश्यक जनहितकारी संदेश पहुंच सकें। इसके माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक दीया देश के शहीदों के नाम'... कासगंज के नौनिहालों ने देशभक्ति और कला से सजाए दीये, बिखेरी रंगोली की छटा

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

बीएस डायनमिक अकेडमी में दीपावली के पावन पर्व पर बच्चों ने अपनी सृजनात्मकता और देशभक्ति का अद्भुत परिचय दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम की मुख्य थीम 'एक दीया देश के शहीदों के नाम' रही, जिसने हर किसी के दिल में राष्ट्रप्रेम की अलख जगा दी।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने मिट्टी के दीयों, कंदीलों, झालरों और वंदनवारों को बेहद आकर्षक ढंग से सजाया। वहीं, कक्षा 8 की छात्राओं ने रंगोली की नवीन कलाकृतियों का प्रदर्शन करते हुए जीवंत और मनमोहक रंग भरे, जिन्हें देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया।



सुरक्षित और पारंपरिक दीवाली का संदेश

इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक मधुर पुंढीर और प्रधानाचार्य सुनील वशिष्ठ ने सभी बच्चों और अभिभावकों को दीपोत्सव की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। साथ ही बच्चों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे इस पर्व पर मिट्टी के दीपकों का ही प्रयोग करें और अपने घर के बड़े-बुजुर्गों की देखरेख में ही सावधानी के साथ पटाखे चलाएं।

बच्चों के इस कलात्मक और अनुकरणीय प्रयास को सफल बनाने में शिक्षक गौरव शर्मा, राधे मोहन यादव, और अनीता सक्सेना ने विशेष मार्गदर्शन दिया। इस दौरान विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यूपी: ऐडेड स्कूलों के नवनियुक्त शिक्षकों को दीपावली से पहले मिलेगा वेतन, शपथपत्र लेकर भुगतान के निर्देश

लखनऊ। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के नवनियुक्त शिक्षकों-प्रधानाचार्यों को दीपावली से पहले वेतन देने के निर्देश दिए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग में हाल ही में चयनित 3000 से अधिक शिक्षकों व प्रधानाचार्यों के चयन के बाद तैनाती की गई थी। जिलों में अभी इनके शैक्षिक दस्तावेजों का सत्यापन चल रहा है।

इसकी वजह से उन्हें दीपावली पर वेतन मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही थी। इसे देखते हुए विभाग ने उनसे शपथपत्र लेकर वेतन जारी करने का निर्दे दिया है। इससे उन्हें राहत मिलने की उम्मीद है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने सभी डीआईओएस को निर्देश दिया है कि नवनियुक्त शिक्षकों को दीपावली से पूर्व वेतन हर हाल में जारी किया जाए। उनके दस्तावेजों के सत्यापन का कार्य जारी रहेगा। अगर कहीं कोई गड़बड़ी पाई जाएगी तो फिर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होगी और एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

उन्होंने कहा है कि अभिलेख सत्यापन में समय लगना स्वाभाविक है। ऐसे में जिन शिक्षकों का वेतन भुगतान नहीं हुआ है, उनसे शपथ पत्र लेकर दीपावली से पहले वेतन भुगतान किया जाए। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि नवनियुक्त शिक्षकों को वेतन न मिलने से उनकी दीपावली फीकी पड़ रही थी। ऐसे में निदेशक से संगठन की ओर से मिलकर मांग की थी। उनकी ओर से आदेश जारी होने से इनको राहत मिलेगी।

दिल्ली में 'गंभीर' वायु प्रदूषण: राजधानी के 20 केंद्रों पर एक्यूआई 400 पार, अभी और गहराएगा सांसों पर संकट

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर बना हुआ है। बृहस्पतिवार शाम पांच बजे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राजधानी के 59 निगरानी केंद्रों में से 20 पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के पार दर्ज किया गया। सबसे खराब स्थिति जहांगीरपुरी की रही। यहां का एक्यूआई 454 तक पहुंच गया। वहीं, पंजाबी बाग में 448 और रोहिणी व आईआईटी दिल्ली में यह आंकड़ा 442 रहा।

दूसरी तरफ 35 निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई 301 से 400 के बीच दर्ज किया गया। यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। वहीं, चार केंद्रों पर एक्यूआई 201 से 300 के बीच दर्ज किया गया। इसका मतलब है कि दिल्ली के किसी भी निगरानी केंद्र पर हवा की गुणवत्ता मध्यम या इससे बेहतर श्रेणी में नहीं रही। सबसे कम एक्यूआई आईएमडी लोदी रोड पर 277 दर्ज किया गया। दिल्ली कैंट में यह 281, टिकरी कलां में 294 और एनएसआईटी द्वारका में 297 रहा।

जहांगीरपुरी के अलावा कई दूसरे इलाकों में भी प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। नरेला में एक्यूआई 430, विवेक विहार में 429, अलीपुर में 424, मुंडका में 415 और बवाना में 407 रहा। आईटीओ में भी एक्यूआई 402 दर्ज किया गया। वहीं, आनंद विहार में 334 और चांदनी चौक में 354 एक्यूआई रहा।

कई निगरानी केंद्रों पर पीएम 2.5 मिला

कई निगरानी केंद्रों पर पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक के रूप में दर्ज किया गया। जहांगीरपुरी और पंजाबी बाग में भी पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा। वहीं, आईआईटी दिल्ली और दिल्ली कैंट समेत कुछ केंद्रों पर पीएम 10 का स्तर प्रमुख रहा। सीपीसीबी के मुताबिक, 301 से 400 के बीच एक्यूआई रहने पर लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से कई बीमारियां हो सकती हैं। वहीं, 401 से 500 के बीच का स्तर स्वस्थ लोगों को भी प्रभावित कर सकता है। फेफड़े और दिल की बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए यह ज्यादा गंभीर हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की परत होगी और मोटी

मौसमी दशाएं प्रतिकूल होने से दिल्ली-एनसीआर की हवा में प्रदूषण का संकट और भी गहराने का अंदेशा है। आठ अक्तूबर को प्रदूषकों को दूर ले जाने वाली सभी दशाएं सुस्त होंगी। ऐसे में दिवाली पर पटाखा जलने से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की चादर मोटी हो सकती है। आईआईटीएम के मुताबिक, हवाओं की चाल शुक्रवार शाम से ही थम सकती है।

प्रदूषण बढ़ने की एक बड़ी वजह हवा की रफ्तार में कमी

प्रदूषण बढ़ने की एक बड़ी वजह हवा की रफ्तार में कमी और प्रदूषकों के फैलाव के लिए प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियां हो सकती हैं। छह और सात नवंबर को दोपहर में हवा की रफ्तार 15 से 18 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने के बाद शाम-रात में घटकर पांच किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। आठ नवंबर को स्थिति और प्रतिकूल हो सकती है। इस दिन सुबह हवा की गति आठ, दोपहर में 10 और शाम-रात में 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने का अनुमान है। हवा की दिशा भी उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व और फिर पूर्व की ओर बदल सकती है।

इन अजीबो-गरीब रहस्यों को सुलझा नहीं पाया कोई भी वैज्ञानिक

यह दुनिया रहस्यों से भरी है. इनमें से कई के बारे में आपने पढ़ा या सुना होगा. वहीं, वैज्ञानिक दुनिया के रहस्यों की तह तक जाने की पूरी कोशिश में लगे रहते हैं. इसमें कोई दो राय नहीं कि वैज्ञानिकों के विश्व के कई बड़े अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने का काम किया है, लेकिन कुछ रहस्य अभी भी बाक़ी हैं, जिनके सामने वैज्ञानिकों ने भी घुटने टेक दिए. आइये, आपको कुछ ऐसे ही रहस्यों के बारे में बताते हैं.

वो इंसान जो 256 साल तक जीवित रहा



जानकर आश्चर्य होगा कि इस दुनिया में एक ऐसा भी इंसान था, जो 256 साल तक जीवित रहा. अमूमन एक इंसान ज़्यादा से ज़्यादा 90 या 100 साल तक जीवित रह सकता है या कुछ साल आगे-पीछे हो सकते हैं. लेकिन, 256 साल तक जीवित रहना, कल्पना से परे बात है. इस व्यक्ति का नाम ली चिंग-युएन, जो 1677 से लेकर 1933 तक जीवित रहे. ली चिंग-युएन चीन के रहने वाले थे. ऐसा कहा जाता है कि वो चीनी दवाइयों के बारे में और 200 साल की उम्र में भी पढ़ाने जाया करते थे. वैज्ञानिकों के लिए उनकी उम्र आज भी एक रहस्य है.

रिटर्न' आईलैंड



केन्या देश भी कई अनसुलझे रहस्यों से भरा है. यहां एक 'नो रिटर्न' नाम का पुराना आईलैंड है, जिसे 'नो रिटर्न' आईलैंड का नाम दिया गया है. ऐसा माना जाता है कि यहां कभी लोग रहते हैं, लेकिन एक बार रातों-रात यहां मौजूद सभी लोग ग़ायब हो गए थे, जिसका पता आज तक नहीं लग सका. ऐसा कहा जाता है कि यहां जो भी जाता है, वो वापस नहीं आता है. इसलिए, यहां कोई भी जाने की हिम्मत नहीं करता.

अद्भुत पत्थर की विशाल बॉल



रशिया के चैंप आइलैंड में मौजूद पत्थर की विशाल बॉल्स रहस्य का विषय बनी हुई हैं. ये यहां कैसे आई और किसने इन्हें बनाया, इसका पता आज तक नहीं लग सका है. माना जाता है कि यहां लोगों की बसावट भी नहीं थी. वैज्ञानिक निरंतर इसके इतिहास की पड़ताल में लगे रहते हैं. इन बॉल को देखकर साफ़ पता लगाया जा सकता है कि ये इंसानों द्वारा ही बनाई गई हैं, लेकिन किस काम के लिए, यह कोई नहीं जानता.

रहस्यमयी तस्वीर



स्कॉटलैंड की एक झील की तस्वीर आज भी रहस्य बनी हुई है. तस्वीर में कोई विचित्र जीव दिखाई दे रहा है. यह क्या है, इसका पता कोई नहीं लगा सका. बता दें यह तस्वीर 1934 में ली गई थी.

छोटा नर कंकाल

चिली में घोस्ट टाउन में एक जगह है, जहां 6 इंच का नर कंकाल पाया गया था. इस नरकंकाल पर कई शोध हुए और माना गया कि यह इंसान का ही नरकंकाल है. लेकिन, यह आज भी रहस्य का विषय है कि क्या इतने छोटे भी इंसान हुआ करते थे?





चीन से जुड़ा है पटाखों का इतिहास

दिवाली आते ही अब एक बार फिर से पटाखों की विस्फोटक चर्चा शुरू हो गई है। कुछ लोग पटाखें जलाने के पक्ष में रहते हैं तो कुछ इसे पर्यावरण और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाला बताकर आतिशबाजी के खिलाफ हैं। किसी भी मुद्दे पर इस तरह की सहमति और सहमति चलती रहेगी, यह आम बात है, लेकिन इस बीच यह जानना दिलचस्प होगा कि आखिर पटाखों या आतिशबाजी का इतिहास क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।
यह भी कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले एक शहजादी की शादी में आतिशबाजी की गई थी। इस दौरान कहा जाता है कि करीब 80 हजार के पटाखे जलाए गए थे। हालांकि इसमें कितने सच्चाई है यह किसी को नहीं पता, लेकिन अलग अलग रिपोर्ट से यही तथ्य उभरकर सामने आते हैं। चीन के बाद पटाखें यूरोप और अरब देशों में लोकप्रिय होने लगे। यहां कुछ खास मौकों पर या फिर अपनी जनता को खुश करने के लिए उस वक्त के राजा-महाराजा और शाषक आतिशबाजी करने लगे। वहीं बाद में अमेरिका की आजादी के मौके पर बड़े पैमाने पर आतिशबाजी की गई।
तमाम देशों की यात्रा करते हुए करीब 1400 या 1500 ईसवीं में इतिहास में पटाखों और आतिशबाजी का जिक्र मिलता है। जो अलग-अलग उत्सवों और शादियों आदि में किया जाता रहा है। मध्य युग में आतिशबाजी राजशाही परिवारों का अभिन्न हिस्सा था। बाद में धीरे-धीरे यह रौशनी के पर्व दिवाली का भी हिस्सा बन गया। और इतना प्रचलित हुआ कि आज तक हर छोटे बड़े उत्सव और आयोजन में आतिशबाजी की जाती है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रीन पटाखों का चलन भी हो चला है। जानते हैं कितने फायदेमंद हैं ग्रीन पटाखें।

पटाखों का इतिहास चीन से जुड़ा है, करीब 2200 साल पहले चीन के लुइयांग शहर में पटाखें जलाए गए थे। तब उनका आकार और तरीका ऐसा नहीं था, जैसा आज होता है। ये एक तरह की बांस की छड़ियां होती थीं, जिन्हें आग में जलाने से धमाका होता था। बाद में चीनी नागरिकों ने बांस की छड़ियों में बारुद भरकर पटाखें बनाए, जिन्हें हैंडमेड पटाखे कहा जाता है। इसके बाद बांस के बजाए कागज का इस्तेमाल किया जाने लगा।

ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और माना जाता है कि इससे प्रदूषण काफी कम होता है। इन पटाखों से 30-40 फीसदी तक प्रदूषण को कम किया जाता है। इन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले नुकसानदायक कैमिकल नहीं होते हैं। ग्रीन पटाखों के लिए कहा जाता है कि इसमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता या फिर बहुत कम मात्रा में किया जाता है। इससे वायु प्रदूषण को बढ़ने से रोका जा सकता है। ग्रीन पटाखे दिखने में सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं और ग्रीन पटाखों की कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लॉवर पॉट, स्काईशॉट जैसे सभी तरह के पटाखे मिलते हैं। इन्हें भी माचिस की तरह जलाया जाता है, इसके अलावा इनमें खुशबू और वाटर पटाखे भी जाते हैं, जिन्हें अलग तरह से जलाया जाता है। इन पटाखों से रोशन भी होती है। ये सामान्य पटखों वाला फील देते हैं। बस ये पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। इन पटाखों को जलाने पर धुआं निकलता है और इसकी मात्रा कम होती है। हालांकि ये पटाखे सामान्य पटाखों से थोड़े महंगे होते हैं। जहां सामान्य पटाखों के लिए 250 रुपए तक खर्च करना पड़ता है, वहीं ग्रीन पटाखों के लिए 400 रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं किस तरह केमिकलयुक्त पटाखों से है अलग

बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण देश में कुछ जगहों पर पटाखे पूरी तरह से बैन कर दिए गए हैं तो कहीं पर सीमित मात्रा में जलाने की अनुमति दी जा रही है। पर्यावरण को बचाने के लिए ग्रीन पटाखे एक नया विकल्प सामने आया है। बताया जा रहा है कि इससे 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होगा। साथ ही इनमें में नुकसानदायक केमिकल नहीं होते हैं। आइए जानते हैं ग्रीन पटाखे क्या होते है

ग्रीन पटाखे प्रदूषण को कम करता है। इन्हें बनाने में किसी प्रकार का एल्यूमिनियम, बेरियम, पोटेशियम-नाइट्रेट और कार्बन का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। अगर होते भी है तो मात्रा बहुत कम होती है। इसका सबसे बड़ा फायदा है यह वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है। यह दिखने में एकदम सामान्य पटाखों की तरह ही होते हैं केमिकल युक्त पटाखों की तरह ही और ग्रीन पटाखों में भी वह सभी वैरायटी उपलब्ध है। कैटेगरी फुलझड़ी, फ्लावर पॉट,स्काई शॉट जैसे पटाखे हैं। उन्हें भी अन्य पटाखों की तरह ही माचिस से जलाया जाता है। यह खुशबू वाले भी आते हैं। लेकिन देखा जाए तो यह पटाखे केमिकल युक्त पटाखों से थोड़े महंगे होंगे। इसमें में केमिकल पटाखे की तरह धुंआ भी निकलेगा लेकिन वह हानिकारक नहीं होगा। केमिकल युक्त पटाखे 250 रूपए तक के पड़ते हैं वहीं ग्रीन पटाखे 400 रूपए तक के पड़ सकते हैं।

पटाखे जलाने से होता ये नुकसान

पटाखे जलाने से ज्यादा आबादी वाले शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है, जो सर्दी के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहले से ही खराब स्थिति में है.कोरोना वायरस महामारी के बीच पटाखे जलाना और ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि प्रदूषण की वजह से इम्यूनिटी कमजोर होती है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है.

क्या होते हैं ग्रीन पटाखे

खतरनाक और प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की जगह कई राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है और लोगों में इसका क्रेज दिखाई दे रहा है.लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन पटाखे क्या होते हैं और पुराने परंपरागत पटाखों से कैसे अलग होते हैं

नॉर्मल पटाखे से कितने अलग होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (गक्क्टक्र) की खोज हैं और ये आवाज से लेकर दिखने तक में पारंपरिक पटाखों जैसे ही होते हैं, लेकिन इनको जलाने पर प्रदूषण काफी कम होता है और ये सामान्य पटाखों की तुलना में 40 से 50 फीसदी तक कम हानिकारक गैस पैदा करते हैं.हालांकि ऐसा नहीं है कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण बिल्कुल भी नहीं होगा, हालांकि ये सामान्य पटाखों से कम हानिकारक हैं.

ग्रीन पटाखों में नहीं होते हैं हानिकारक रसायन

ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं.इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है या ग्रीन पटाखों में खतरनाक रसायनों की मात्रा काफी कम होती है.इस वजह से इन पटाखों से प्रदूषण कम होता है.

ग्रीन पटाखों से ध्वनि प्रदूषण भी होता है कम

ग्रीन पटाखों से वायु प्रदुषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है, क्योंकि ये साइज में थोड़े छोटे होते हैं और कम आवाज करते हैं.ग्रीन पटाखों से अधिकतम 110 से 125 डेसिबल ध्वनि प्रदूषण होता है, जबकि नॉर्मल पटाखों से 160 डेसिबल तक होता है.

महंगे होते हैं ग्रीन पटाखे

ग्रीन पटाखों के कीमत की बात करें तो यह परंपरागत पटाखों की तुलना में थोड़े महंगे होते हैं.यदि आपके राज्य में सामान्य पटाखों पर रोक लगी है और ग्रीन पटाखों की इजाजत दी गई है तो आपको सरकार की ओर से रजिस्टर्ड दुकान पर ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं.इसके अलावा आप ग्रीन पटाखे ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं.

तकनीक के साथ बदलते पटाखे

तकनीकी विकास पटाखे के निर्माण में भी अपना असर दिखाने लगा है और नई तकनीक के साथ पटाखों की किस्म से लेकर पैकेजिंग तक बहुत कुछ बदला नजर आ रहा है.सीटी बजाते पटाखे, आसमान को रंगीन रौशनी से भरते पटाखे या फिर एक ही डिब्बे में कई तरह की आतिशबाजी समेटे पटाखे कुछ वर्ष पहले तक बाजार में नहीं थे.पर अब बाजार में सबसे ज्यादा माँग इन्ही पटाखों की है.और तो और चीन से इस बार आई पटाखों की नई किस्म भी भारतीय बाजारों में त्योहारों के मद्देनजर हाथोंहाथ बिक रही है.

बच्चों में सबसे ज्यादा माँग चीनी माउजर पिस्तौल की है.इस पटाखे छोड़नेवाली पिस्तौल में एक बार में दस गोलियाँ भरी और दागी जा सकती हैं.पटाखों की पैकेजिंग में भी खासा बदलाव आया है इस पिस्तौल की माँग का आलम यह है कि शुरुआत में 45-50 रूपए में मिल रही यह पिस्तौल अब 120 रूपए तक हो गई है.माना जा रहा है कि व्यापारी बढ़ी माँग को देखकर माल रोक रहे हैं और इसी वजह से इसके दामों में इजाफा हो गया है.पर व्यापारी इन पिस्तौलों की कम आपूर्ति के लिए आयातकों को दोष देने से नहीं चूक रहे.ऐसे ही एक व्यापारी किशन कुमार बताते हैं कि सारा मुनाफा तो आयातकों को हो रहा है.थोक या फुटकर विक्रेताओं को तो पूरा माल मिल ही नहीं रहा है और माँग काफी ज्यादा है.

रंगीन आतिशबाजी

पटाखों की किस्म में एक बड़ा बदलाव लोगों के बदलते मिजाज के चलते भी आया है.लोगों को अब आवाज करनेवाले पटाखों की जगह आसमान में ऊपर जाकर रंग बिखेरने वाले पटाखे ज्यादा पसंद आ रहे हैं.इसे देखते हुए तमाम पटाखा निर्माता कंपनियों ने इस बात का खासा ध्यान रखा है और बाजार ऐसे पटाखों से पटा हुआ है. पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है.पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.1875 से इसी कारोबार में लगे विष्णु बताते हैं, ''पिछले कुछ वर्षों में काफी फर्क आया है. पहले लोग चकरी और लड़ियाँ ज्यादा पसंद करते थे पर अब ऐरियल यानी हवा में छोड़े जाने वाले पटाखों की ज्यादा माँग है.'' वो



बताते हैं, ''तकनीकी का ज्यादा असर बनाने पर कम पैकिंग पर ज्यादा हुआ है.पहले पैकेजिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता था पर अब इसपर काफी ध्यान दिया जा रहा है. जो रंग भारत में उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें हम चीन और बाकी देशों में आयात करते हैं.''
पहले तो कम किस्में थीं पर अब कई तरह के पटाखे मिल रहे हैं और इनमें आसमान में ऊपर जानेवाले पटाखे ज्यादा पसंद आते हैं. फिर विदेशों में जिन पटाखों का मजा लोग लेते थे, अब उन्हें भी हम यहाँ खरीद सकते हैं.''



टेस्ट में अब भी जलवा दिखा सकते हैं विराट कोहली!

शास्त्री ने बताई विराट की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी, ऑकलैंड।



पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें सफेद गेंद के क्रिकेट का सर्वकालिक महान खिलाड़ी बताया है। शास्त्री न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले वनडे में कोहली की बल्लेबाजी से खासे प्रभावित नजर आए।

उन्होंने कहा कि जिस तरह की सहजता और अधिकार के साथ कोहली ने मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी की, वह किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं है। शास्त्री का यह भी मानना है कि कोहली में अब भी टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी फिटनेस और खेल के प्रति अनुशासन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

मुश्किल पिच पर कोहली ने दिखाई क्लास

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारत को जीत के लिए 186 रन का लक्ष्य मिला था। मेजबान टीम 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने कप्तान रोहित शर्मा का विकेट जल्दी गंवा दिया। इसके बाद शुभमन गिल और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 13 चौके और एक छक्का लगाया। ईडन पार्क की पिच पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को उछाल और मूवमेंट मिल रही थी। भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हुई, लेकिन कोहली ने परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालते हुए शानदार बल्लेबाजी की।

शास्त्री ने सोनी स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, 'मुझे लगता है कि इन परिस्थितियों में यह विराट की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी। इस तरह की पिच पर बिना कोई गलती किए इतनी सहजता और अधिकार के साथ बल्लेबाजी करना आसान नहीं है। पिछले सात, आठ या दस वर्षों में उन्होंने जितनी भी पारियां खेली हैं, उनमें यह सबसे बेहतरीन पारियों में से एक होगी। उन्होंने बल्लेबाजी को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया। बाकी सभी खिलाड़ियों के लिए पिच अलग थी, लेकिन महान खिलाड़ी ऐसा ही करते हैं। वह शायद सफेद गेंद के क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनके आंकड़े देखिए। उन्होंने कितने रन बनाए हैं, कितनी तेजी से बनाए हैं, कितने शतक लगाए हैं और लक्ष्य का पीछा करते हुए कितने मुकाबले जिताए हैं। इसके बाद वह इस तरह की बल्लेबाजी करते हैं। वह एक क्लासिक बल्लेबाज हैं।'

शुरूआत में संभलकर खेले, फिर गेंदबाजों पर बोला हमला

कोहली की पारी की शुरूआत बहुत तेज नहीं रही थी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए अतिरिक्त उछाल हासिल किया और भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। कोहली ने भी शुरूआत में परिस्थितियों को समझने पर ध्यान दिया। बारिश के कारण दूसरी बार खेल रोके जाने तक वह 27 गेंदों पर 29 रन बनाकर खेल रहे थे। खेल दोबारा शुरू होने के बाद कोहली ने रफ्तार पकड़ी और 35 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। ब्लेयर टिकनर के एक ओवर में उन्होंने शॉर्ट गेंदों का शानदार जवाब दिया। टिकनर ने लगातार तीन छोटी गेंदें फेंकीं और कोहली ने तीनों को बाउंड्री के पार पहुंचा दिया। शास्त्री के मुताबिक, कोहली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह सही समय पर गेंदबाजों पर हमला करते हैं और तेजी से रन लेकर स्ट्राइक बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा, 'वह अक्सर ओवर की पहली या दूसरी गेंद को निशाना बनाते हैं और फिर स्ट्राइक बदल लेते हैं। विकेटों के बीच उनकी दौड़ बहुत अच्छी है। इससे गेंदबाज पर लगातार दबाव बना रहता है। कोहली के खिलाफ गेंदबाज को पूरे ओवर में छह या पांच गेंदें डालने का मौका नहीं मिलता। वह दो चौके लगाते हैं और फिर दूसरे बल्लेबाज को स्ट्राइक दे देते हैं।'

'टेस्ट क्रिकेट में भी अब तक अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं'

विराट कोहली ने आईपीएल 2025 के दौरान टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। हालांकि, जनवरी 2025 में उन्होंने एक दशक से अधिक समय बाद रणजी ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से खेलकर घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। उनके बाद रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे भारतीय क्रिकेट के एक दौर का अंत हुआ। शास्त्री का मानना है कि कोहली की फिटनेस का स्तर इतना अच्छा है कि वह अब भी टेस्ट क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'आप दुनिया के शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से पूछिए, वे कहेंगे कि हम विराट को टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए देखना चाहते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि वह अब भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उनकी फिटनेस का स्तर इतना शानदार है कि उनके लिए यह सब आसान नजर आता है। उन्हें इसके लिए अलग से बहुत ज्यादा मेहनत करते हुए नहीं देखना पड़ता। यह उनकी मांसपेशियों की याददाश्त और काम के प्रति समर्पण का नतीजा है। यह खास है।'

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिस ने भी कोहली के टेस्ट संन्यास पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'जब विराट ने संन्यास की घोषणा की तो लोग निराश क्यों थे, यह मैं समझ सकता हूं। मैं भी उन्हीं लोगों में शामिल हूं। जब आप इस तरह बल्लेबाजी कर रहे हों, तब भी वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों की चर्चा में शामिल हैं, भले ही अब वह केवल एक प्रारूप खेल रहे हों।'

बीसीसीआईः भारत और श्रीलंका के बीच पहले वनडे का वेन्यू बदला, दिल्ली में नहीं होगा मैच



एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत और श्रीलंका के बीच सीमित ओवर सीरीज का कार्यक्रम

तारीख	मैच	स्थान
13 दिसंबर	पहला वनडे	विशाखापत्तनम
16 दिसंबर	दूसरा वनडे	बेंगलुरु
19 दिसंबर	तीसरा वनडे	अहमदाबाद
22 दिसंबर	पहला टी20	राजकोट
24 दिसंबर	दूसरा टी20	कटक
27 दिसंबर	तीसरा टी20	पुणे

भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली आगामी सीमित ओवरों की सीरीज के पहले वनडे मुकाबले को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। दोनों टीमों के बीच 13 दिसंबर 2026 को खेले जाने वाले पहले वनडे के वेन्यू को दिल्ली से बदलकर विशाखापत्तनम शिफ्ट कर दिया गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की ओर से किए गए अनुरोध के बाद यह निर्णय लिया गया है।

बीसीसीआई ने बताया कारण

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में बताया कि स्टेडियम में प्रस्तावित रेनोवेशन (नवीनीकरण) के काम और संभावित खराब मौसम या व्यवधान की आशंका को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। अब यह रोमांचक मुकाबला निर्धारित तारीख यानी 13 दिसंबर 2026 को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

डीडीसीए ने अरुण जेटली स्टेडियम में प्रस्तावित भारत-श्रीलंका वनडे मैच की मेजबानी करने में असमर्थता जताते हुए बीसीसीआई से इसे दूसरी जगह आयोजित कराने का अनुरोध किया था। इसके पीछे की मुख्य वजह स्टेडियम में चल रहा रिनोवेशन का काम और दिसंबर के दौरान दिल्ली में रहने वाली प्रतिकूल मौसम परिस्थितियां हैं।

सीरीज का कार्यक्रम

श्रीलंकाई टीम अगले महीने भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों देशों के बीच तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 दिसंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है। इसके बाद दूसरा वनडे बंगलूरू में और तीसरा मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। हालांकि, डीडीसीए के अनुरोध के बाद दिल्ली में होने वाले पहले वनडे के आयोजन स्थल में बदलाव की संभावना बन गई है।

जो रूट तोड़ेंगे सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड?

नई दिल्ली। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन बनाने के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच रहे हैं। इस बीच मास्टर ब्लास्टर सचिन ने रूट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वह इंग्लिश बल्लेबाज को उनके पहले टेस्ट मैच से ही बेहद प्रतिभाशाली मानते थे। सचिन ने यह भी बताया कि रूट में उन्हें पहले ही बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की क्षमता दिखाई दे गई थी। इसके अलावा उन्होंने वनडे क्रिकेट के प्रारूप में बदलाव का अपना पुराना सुझाव भी दोहराया। जो रूट टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उनके नाम 169 टेस्ट मैचों की 309 पारियों में 14,278 रन दर्ज हैं। वह सचिन तेंदुलकर के ऐतिहासिक रिकॉर्ड से 1,643 रन पीछे हैं। सचिन ने अपने टेस्ट करियर में 200 मैचों की 329 पारियों में 15,921 रन बनाए थे। उनका यह रिकॉर्ड अब तक कायम है। हालांकि, रूट लगातार रन बना रहे हैं और उनके पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का मौका है।

कॉफी विद करणः 'मैं सड़क पर चिल्ला रही थी', सैफ पर हुए हमले को याद कर भावुक हुईं करीना



'कॉफी विद करण 9' का नया एपिसोड बुधवार को रिलीज हो गया है। इस बार काउच पर बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी करीना कपूर खान और सैफ अली खान नजर आए। इसके साथ करीना और सैफ ने शो में 16 साल बाद वापसी की। जानिए शो से जुड़ी खास बातें।

सैफ को खून से लथपथ देखकर डर गई थी करीना

'कॉफी विद करण' के फाइनल सीजन के ताजा एपिसोड में दोनों ने पिछले साल सैफ पर उनके घर में हुए चाकू से हमले को लेकर खुलकर बात की। कपल ने पहली बार उन अफवाहों और साजिश की थ्योरी पर भी रिएक्शन दिया, जिनमें इस हमले को लेकर सवाल उठाए गए थे।

करीना ने कहा, 'मुझे ये साजिश वाली बातें समझ नहीं आतीं। इसका मतलब है कि लोगों को लगता है कि पुलिस भी हमारे साथ मिली हुई थी, क्योंकि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया था। तो फिर क्या पुलिस भी इस साजिश का हिस्सा थी? सैफ के बेटे ने घर के हेल्पर हरि के साथ उन्हें अस्पताल पहुंचाया था। यह बहुत बुरा है कि लोगों ने इस तरह के सवाल उठाए।'

करीना ने उस रात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह नाइट टी-शर्ट में सड़क पर ऑटो रिक्शा रोक रही थीं। उन्होंने कहा, 'अच्छा हुआ कि किसी ने उस समय मेरा वीडियो नहीं बनाया, करण। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी। मैं पागलों की तरह भाग रही थी और सैफ के शरीर से खून बह रहा था। उस समय टिम ने सबसे पहले पूछा था, 'अब्बा, क्या आप मरने वाले हैं?'

सैफ ने बताई हमले की पूरी आपबीती

वहीं, सैफ ने बताया कि पूरी घटना के दौरान वह शांत और संयमित रहने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने उस रात को अपनी जिंदगी की सबसे बुरी रात बताया। अभिनेता ने अपनी चोटों की गंभीरता और उस मुश्किल समय में खुद को संभालने के बारे में भी बात की, खासकर तब जब उनके बच्चे भी यह सब देख रहे थे।

करीना ने बताया कि सैफ उस समय चल भी नहीं पा रहे थे। उन्होंने कहा कि चाकू को रीढ़ की हड्डी से निकालने के लिए डॉक्टर को उनकी नसों को हटाना पड़ा था। करीना ने कहा, 'मैं पूरी तरह टूट गई थी, लेकिन वह ठीक थे।'

करीना ने यह भी बताया कि उनके छोटे बेटे जेह ने अपनी आंखों से पूरी घटना देखी थी। बाद में उसने सैफ को अपना प्लास्टिक का खिलौने वाला तलवार दिया, ताकि भविष्य में वह उनकी रक्षा कर सके। करीना के मुताबिक, जेह अपने पिता को किसी आयरन मैन की तरह देखता है।

नेपो किड के टैग पर क्या बोलीं करीना?

शो में सैफ और करीना ने नेपोटिज्म को लेकर भी मजेदार बातचीत की। दरअसल, एक फन सेगमेंट जीतने के बाद सैफ ने मजाक में कहा कि इससे साबित होता है कि करण जौहर का शो नेपोटिज्म या पक्षपात से भरा नहीं है। इस पर करीना हैरान रह गईं और उन्होंने पूछा कि सैफ ऐसा क्यों कह रहे हैं। इसके बाद करण ने करीना की तरफ इशारा करते हुए उन्हें नेपोटिज्म का उदाहरण बताया।

इस पर करीना ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'मैं नेपोटिज्म की सबसे शुद्ध पोस्टर गर्ल हूं। मैं तो नेपोटिज्म की सबसे ऑर्गेनिक टैलेंट हूं। मैंने कभी अपने मां-बाप का नाम नहीं लिया है।'

करीना की यह बात सुनकर करण जौहर ने 'वाह' कहा। वहीं, सैफ और करण ने उनकी बात पर मजाकिया अंदाज में तालियां भी बजाईं।

'रामायण' पर बोलीं आलिया, रणबीर की तारीफ में कही दिल छू लेने वाली बात

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। आम लोगों के साथ-साथ कई बॉलीवुड और टीवी सितारों ने भी इस पर अपना रिएक्शन दिया। अब रणबीर कपूर की वाइफ और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी एक पोस्ट करते हुए अपने दिल की बात कही है। सिर्फ इतना ही नहीं, आलिया ने पोस्ट में रणबीर कपूर के साथ सेट पर मौजूद राहा की भी कुछ तस्वीरें शेयर की है। बता दें कि 'रामायण' के साथ ही छोटी सी राहा ने भी बॉलीवुड में कदम रख दिया है। जी हां, इस फिल्म में उनका भी कैमियो है। आइए अब जानते हैं कि आलिया ने अपने पोस्ट में क्या कहा।

आलिया भट्ट ने क्या लिखा?

आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर रणबीर कपूर और राहा की दो तस्वीरें शेयर की। यह दोनों फोटो 'रामायण' फिल्म की शूटिंग के दौरान की है। इसे शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'तुमने इस फिल्म में अपना सब कुछ लगा दिया और फिर भी उसके लिए तुम्हारे अंदर सब कुछ बचा रहा। रणबीर, मुझे तुम पर और उन सभी लोगों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस शानदार फिल्म को बनाने में अपना दिल और पूरी मेहनत लगा दी। कुछ कहानियां हम सभी से बड़ी होती हैं और रामायण उन्हीं में से एक है।'\

रणबीर कपूर बने हैं भगवान राम

बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा ने किया है।



सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'रामायण'

रणबीर कपूर की इस मच अवेटेड फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुका है। फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया गया है और इसके म्यूजिक की जिम्मेदारी एआर रहमान और हॉलीवुड के मशहूर कंपोजर हंस जिमर ने संभाली है।



प्रोड्यूसर बने कार्तिक आर्यन, कबीर खान संग मिलाया हाथ; फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

निर्माता बने कार्तिक आर्यन

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निमार्ता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था।

हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।

कार्तिक को मिला था पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड

'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को उनका पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला। 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में उन्हें बेस्ट एक्टर के सम्मान के लिए मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी के साथ संयुक्त रूप से चुना गया था। ममूटी को यह सम्मान फिल्म 'ब्रह्मयुगम' में उनके अभिनय के लिए मिला था। वहीं, कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कैप्टन इंडिया' को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं, जो शाहरुख खान की 'चक दे! इंडिया' और नाना पाटेकर की 'अब तक छप्पन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

फिल्म को टी-सीरीज के भूषण कुमार और बावेजा स्टूडियोज के साथ डोपामिन स्टूडियोज प्रोड्यूस कर रहा है। वहीं, एसबी फिल्म्स इसके प्रोडक्शन का काम संभालेगी। 'कैप्टन इंडिया' भी साल 2027 में रिलीज होने वाली है। ऐसे में आने वाला साल कार्तिक आर्यन के लिए काफी व्यस्त रहने वाला है।

अब डराने को तैयार भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने इंडस्ट्री में कई तरह के किरदार निभाए हैं। अब वह अपकमिंग फिल्म 'जानी दुश्मन- डर के आगे मौत है' के साथ हॉरर की दुनिया में कदम रख रही हैं। यह फिल्म एक हॉरर फ्रैंचाइजी का पहला हिस्सा होगी। 2027 में इसके रिलीज होने की उम्मीद है।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी एक मां और बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें अजीब घटनाएं और पारिवारिक रहस्य कहानी का मुख्य हिस्सा हैं। मेकर्स का लक्ष्य इमोशनल ड्रामा को हॉरर और एक्शन के साथ जोड़ना है, ताकि फिल्म को एक बड़ा सिनेमाई अनुभव का रूप दिया जा सके। अरशद सैयद इस प्रोजेक्ट का निर्देशन करेंगे, जबकि रॉबी ग्रेवाल इससे क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे।

कौन है फिल्म का निर्माता?

इस प्रोजेक्ट के लिए 'भय- द गौरव तिवारी मिस्ट्री' वाली टीम फिर से एक साथ आ रही है, जिसमें रॉबी ग्रेवाल क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं और अरशद सैयद फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस फिल्म को भूषण कुमार की टी-सीरीज फिल्म्स और प्रभलीन संधू की ऑलमाइटी मोशन पिक्चर की तरफ से पेश किया जा रहा है।

'जानी दुश्मन' टी-सीरीज और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर के बीच एक और सहयोग है। इससे पहले दोनों ने 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' पर एक-साथ काम किया था।

इस बार ये दोनों प्रोडक्शन हाउस एक हॉरर कहानी के लिए साथ आ रहे हैं। इसे बड़े कैनवस पर पेश किया जाएगा।

फिल्म से जुड़े पीटर पेड्रो

मेकर्स ने इंटरनेशनल हॉरर एक्शन और स्टंट सीक्वेंस को संभालने के लिए पीटर पेड्रो को भी शामिल किया है। यह स्टंट स्पेशलिस्ट 'हैरी पॉटर', 'फास्ट एंड फ्यूरियस', 'द एक्सपेंडेबल्स', 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'द कॉन्ज्यूरिंग' जैसी कई मशहूर इंटरनेशनल फिल्मों में काम कर चुके हैं।

क्या बोले भूषण कुमार?

ऑलमाइटी मोशन पिक्चर के साथ दोबारा काम करने के बारे में बात करते हुए निमार्ता भूषण कुमार ने कहा, 'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर एक बेहतरीन क्रिएटिव पार्टनर रही है और प्रभलीन की टीम के साथ काम करना हमेशा सुखद होता है। 'मेड इन इंडिया- अ टाइटन स्टोरी' के बाद, हमें 'जानी दुश्मन' पर उनके साथ फिर से काम करने की खुशी है।

क्यों उत्साहित हैं प्रभलीन संधू?

'ऑलमाइटी मोशन पिक्चर' की फाउंडर प्रभलीन संधू ने टीम को फिर से एक साथ लाने और एक अलग तरह की कहानी पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'भूषण जी के साथ काम करना हमेशा ही खुशी की बात होती है। हमारा जुड़ाव हमेशा से खास रहा है। हम एक बिल्कुल अलग सिनेमाई अनुभव के लिए फिर से साथ आने को लेकर बहुत उत्साहित हैं।'

